संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 278 शनिवार 09 अगस्त 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

अब राहुल गांधी ने ईसीआई से पूछे 5 सवाल

नई दिल्ली,08 अगस्त 2025 (ए)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। कांग्रेस सांसद ने चुनाव आयोग पर बीजेपी के साथ मिलकर 2024 में लोकसभा और विधानसभा चुनावों में वोट चोरी का आरोप लगाया है। राहुल के इन आरोपों के बाद देश में सियासी पारा हाई है। अब राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर चुनाव आयोग से पांच सवाल पूछे हैं। साथ ही बीजेपी और चुनाव आयोग पर निशाना भी साधा है। पांच सवाल पूछते हुए कहा,भारत का लोकतंत्र बेशकीमती है-इसकी चोरी का अंजाम बहुत भयानक होगा। अब जनता बोल रही है-बहुत हुआ!

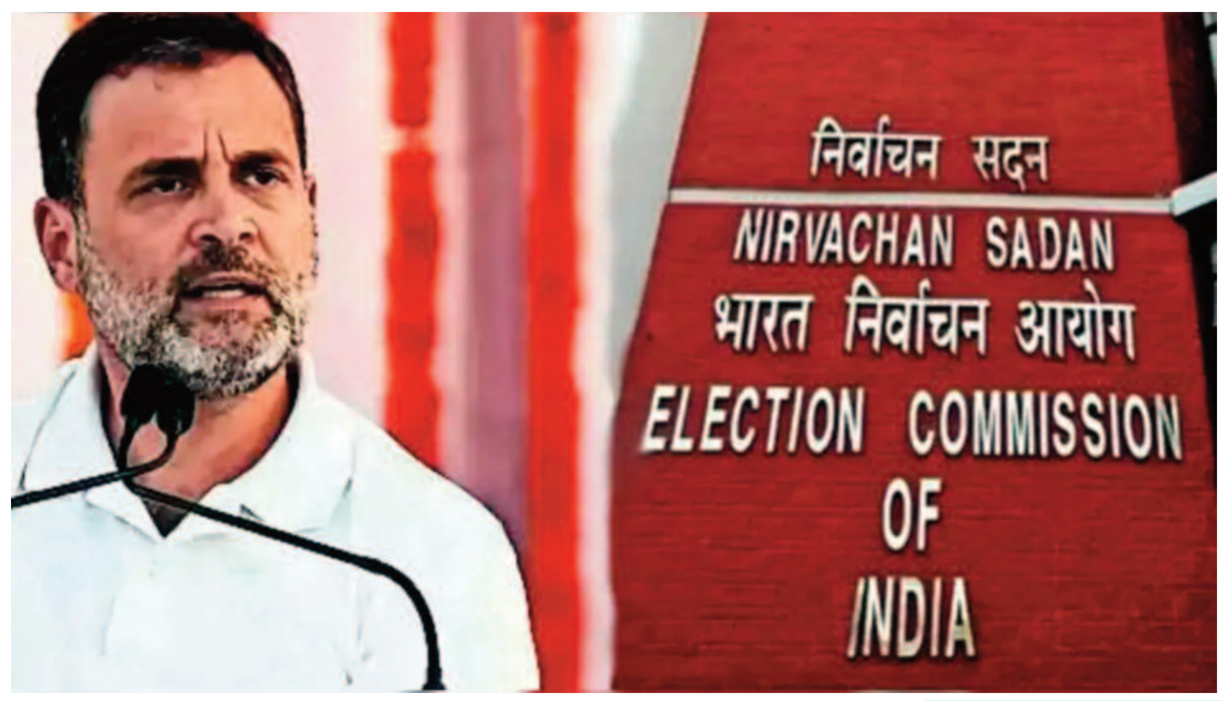

राहुल ने चुनाव आयोग पर लगाए आरोप

गुरुवार को चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने कहा, कर्नाटक के महादेपुरा में 1,00,250 फर्जी वोट जोड़े गए हैं। उन्होंने चुनाव आयोग पर सबूत नष्ट करने का भी आरोप लगाया है। दिल्ली के कांग्रेस ऑफिस में आरोप लगाते हुए रायबरेली सांसद ने कहा, इस धांधली में बीजेपी के साथ चुनाव आयोग मिला हुआ है। इस के दम पर नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। राहुल ने कहा, नरेंद्र मोदी सिर्फ25 सीटों के अंतर से प्रधानमंत्री बने। चुनाव आयोग बीजेपी को भारत की चुनावी व्यवस्था को बर्बाद करने में मदद कर रहा है। महादेवपुरा में हमने जो किया, उसके कारण वे हमें आंकड़े नहीं दे रहे हैं। अगर हम अन्य लोकसभा सीटों पर भी ऐसा करें, तो हमारे लोकतंत्र की सच्चाई सामने आ जाएगी। कांग्रेस सांसद के आरोपों के बाद, कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) ने उनसे शपथ लेकर सबूत पेश करने को कहा है।

राहुल द्वारा पूछे गए 5 सवाल

1. विपक्ष को डिजिटल वोटर लिस्ट क्यों नहीं मिल रही? क्या छिपा रहे हो?
2. CCTV और वीडियो सबूत मिटाए जा रहे हैं - क्यों? किसके कहने पर?
3. फर्जी वोटिंग और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की गई - क्यों?
4. विपक्षी नेताओं को धमकाना, डराना - क्यों?
5. साफ-साफ बताओ- क्या ECI अब BJP का एजेंट बन चुका है?

चुनाव आयोग, 5 सवाल हैं...देश जवाब चाहता है...

1. विपक्ष को डिजिटल वोटर लिस्ट क्यों नहीं मिल रही? क्या छिपा रहे हो?
2. CCTV और वीडियो सबूत मिटाए जा रहे हैं-क्यों? किसके कहने पर?
3. फर्जी वोटिंग और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की गई-क्यों?
4. विपक्षी नेताओं को धमकाना, डराना-क्यों?

संक्षिप्त खबरें

धराली में बादल फटने से भारी तबाही की इसरो ने जारी की सैटेलाइट तस्वीरें

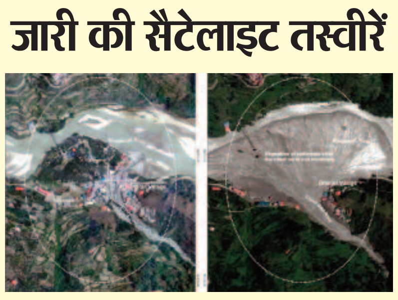

उत्तरकाशी,08 अगस्त 2025(ए)। 5 अगस्त 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में बादल फटने की घटना ने धराली और हर्षिल गांवों को भारी नुकसान पहुंचाया। इस प्राकृतिक आपदा ने घर, सड़कें, पुल और बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया, साथ ही कई लोगों की जान ले ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपनी सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए इस तबाही की भयावह तस्वीर दुनिया के सामने पेश की है।

बदमाशों की तरह काम नहीं कर सकती ईडीःसुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,08 अगस्त 2025(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने आज स्पष्ट रूप से कहा कि प्रवर्तन निदेशालय बदमाशों की तरह काम नहीं कर सकता और उसे कानून के दायरे में ही रहना होगा। कोर्ट ने यह टिप्पणी केंद्रीय एजेंसी की ओर से जांचे गए मामलों में दोषसिद्धि की कम दरों पर चिंता जताते हुए की गई।

घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करें या देश से माफी मांगें राहुल गांधीः चुनाव आयोग

नई दिल्ली,08 अगस्त 2025(ए)। राहुल गांधी की ओर से चुनाव आयोग पर लगाए गए 'वोट चोरी' के गंभीर आरोपों पर आयोग ने सख्ती दिखाई है। चुनाव आयोग ने इस पूरे मामले की जांच करने के लिए राहुल गांधी से हलफनामा देने की मांग की है।

केंद्रीय कैबिनेट में लिया गया बड़ा फैसला

आम लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली,08 अगस्त 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। इस दौरान 52,667 करोड़ रुपए के पैकेज को मंजूरी दी जिसमें एलपीजी,शिक्षा, बुनियादी ढांचा और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को मजबूत करने के लिए 12,060 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इसके अलावा घरेलू रसोई गैस को सस्ता करने के लिए 30000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। शिक्षा क्षेत्र में तकनीकी संस्थानों के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए 4200 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। कैबिनेट मीटिंग में पूर्वोत्तर राज्यों पर विशेष फोकस करते हुए असम और त्रिपुरा के लिए 4,250 करोड़ रुपए का स्पेशल विकास पैकेज स्वीकृत किया गया है। वहीं, दक्षिण भारत में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के लिए मरक्कनम-पुडुचेरी फोर-लेन हाईवे के निर्माण और डेवलपमेंट के लिए 2,157 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। बैठक में तीन सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों-इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ,भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को घरेलू एलपीजी बिक्री पर हुए घाटे की भरपाई के लिए 30000 करोड़ के मुआवजे को मंजूरी दी गई। ये मुआवजा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा इन कंपनियों के बीच वितरित किया जाएगा और इसका भुगतान 12 किश्तों में किया जाएगा। घरेलू एलपीजी सिलेंडर सार्वजनिक क्षेत्र की इन कंपनियों द्वारा उपभोक्ताओं को नियंत्रित कीमतों पर उपलब्ध कराए जाते हैं. वर्ष 2024-25 के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहीं, लेकिन उपभोक्ताओं पर कीमतों का बोझ नहीं डालने के लिए सरकार ने इन्हें स्थिर रखा. इस वजह से आइ ओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा। इसके बावजूद इन कंपनियों ने देशभर में घरेलू एलपीजी की आपूर्ति बिना रुकावट जारी रखी। सरकार का मानना है कि ये मुआवजा तेल विपणन कंपनियों को कच्चे तेल और एलपीजी की खरीद,कर्ज अदायगी और पूंजीगत व्यय जैसी आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा. इससे देशभर के घरों तक सिलेंडर की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

केंद्र सरकार ने वापस लिया इनकम टैक्स बिल

नई दिल्ली ,08 अगस्त 2025 (ए)। केंद्र सरकार ने लोकसभा से इनकम टैक्स बिल 2025 को वापस ले लिया है। सरकार अब इसके स्थान पर संशोधित और नया इनकम टैक्स बिल संसद में पेश करने की तैयारी कर चुकी है। यह कदम सेलेक्ट कमिटी की सिफारिशों के बाद उठाया गया है।रिपोर्ट में कई तकनीकी और व्यावहारिक सुझाव दिए गए, जिन्हें अब नए संस्करण में शामिल किया गया है। कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद सरकार अब नया आयकर विधेयक सोमवार, 11 अगस्त 2025 को लोकसभा में पेश करेगी।यह नया विधेयक लगभग 60 साल पुराने आयकर अधिनियम 1961 को पूरी तरह से बदलने जा रहा है। नए कानून का मकसद कर प्रक्रिया को सरल बनाना, भाषा को सहज करना और पुराने तथा अनावश्यक प्रावधानों को हटाना है।

खाद्य कानूनों में बदलाव से मिलावटखोरों को राहत

सेहत पर मंडराता खतरा

नई दिल्ली,08 अगस्त 2025(ए)। खाने-पीने की चीजों में मिलावट को लेकर अब तक जो सख्त कानून थे, उन्हें हाल ही में केंद्र सरकार के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने नरम कर दिया है। बदलाव इतने गंभीर हैं कि अब मिलावट करना अपराध नहीं रह गया है, बल्कि इसे केवल आर्थिक दंड से निपटाया जा सकेगा। यानी अब चाहे पनीर दूध से बना हो या वेजिटेबल ऑयल से, चाहे आइसक्रीम हो या फ्रोजन डेजर्ट, सब कुछ बिकेगा–कानूनी दायरे में।

3 साल में बड़े बदलाव

बीते 3 सालों में खाने-पीने की चीजों से जुड़े कानूनों में छोटे-छोटे लेकिन असरदार बदलाव किए गए। खासतौर पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की कई धाराओं में संशोधन कर दिया गया। जहां पहले मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने पर जेल भेजा जाता था, अब उन्हें सिर्फ जुर्माना भरना पड़ेगा। धारा 63, जो बिना लाइसेंस खाद्य सामग्री बेचने पर छह माह की जेल का प्रावधान करती थी, उसमें अब केवल जुर्माने का विकल्प है।

मिलावट को जुर्माने के साथ मंजूरी

जो चीजें पहले साफ़ तौर पर मिलावटी मानी जाती थीं, उन्हें अब सरकार ने विकल्प का नाम देकर बाजार में वैध बना दिया है।

धराली में महिला ने साड़ी फाड़कर सीएम धामी को बांधी राखी

धराली (उत्तरकाशी),08 अगस्त 2025(ए)। धराली में आपदा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सामने शुक्रवार को ऐसा दृश्य आया, जिसने वहां मौजूद हर व्यक्ति को भावुक कर दिया। अहमदाबाद के ईशनपुर की रहने वाली धनगौरी बरौलिया अपने परिवार के साथ गंगोत्री दर्शन के लिए आई थीं। 5 अगस्त को धराली में आई भीषण आपदा ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। अचानक आए मलबे और तेज बहाव से मार्ग पूरी तरह बंद हो गया और वे अपने परिवार सहित फंस गईं। चारों ओर तबाही का मंजर, भय और अनिश्चितता का माहौल था। घर से सैकड़ों किलोमीटर दूर, किसी को नहीं पता था कि अब आगे क्या होगा। इसी दौरान मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू हुए। रेस्क्यू टीमों ने कठिन परिस्थितियों में भी लगातार प्रयास कर धनगौरी और उनके परिवार को सुरक्षित बाहर निकाला। भय से कांपते चेहरों पर पहली बार राहत की मुस्कान आई।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने 4 अगस्त के आदेश से दो पैराग्राफ हटाए

इलाहाबाद एचसी के सभी जजों ने चीफ जस्टिस को लिखी थी चिट्ठी

नई दिल्ली,08 अगस्त 2025(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने 4 अगस्त के आदेश से दो पैराग्राफ हटा दिए हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार को आपराधिक मामलों की सुनवाई से अलग रखने के अपने आदेश को जस्टिस पारदीवाला की बेंच ने वापस ले लिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उनकी मंशा इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के प्रशासनिक अधिकारों में हस्तक्षेप करने की नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट ने यह मामला वापस इलाहाबाद हाई कोर्ट को भेज दिया।

समय पर खाली कर दूंगा सरकारी आवास

नई दिल्ली,08 अगस्त 2025(ए)। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई ने को कहा कि समय की कमी के कारण वह नवंबर में रिटायर होने तक उपयुक्त आवास नहीं ढूंढ पाएंगे, लेकिन नियमों के तहत निर्धारित समयावधि के भीतर अपना सरकारी आवास खाली करना निश्चित है। सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में निवर्तमान जस्टिस सुधांशु धूलिया को विदाई देते हुए सीजेआई ने उन्हें एक गर्मजोशी भरा व्यक्ति कहा,जिन्होंने अपना करियर न्यायपालिका को समर्पित कर दिया।

संपादकीय

पीड़िताओं ने सामने आने का साहस किया

बेंगलुरु स्पेशल कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवाा को रेप के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। उस पर 48 वर्षीय एक घरेलू सहायिका ने कई दफा रेप करने का आरोप लगाया था।बीते साल उस पर चार मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से पहले मामले में दोषी ठहराया गया है। उस पर आईपीसी की धाराएं 376 (2 के) (प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा रेप),376(2)(एन) (बार-बार रेप) 354(ए) (कपड़े उतारने के लिए हमला या बल प्रयोग), 354(सी)(ताकझांक), 506 (सबूतों को गायब करना), सूचना प्रोद्यौगिकी अधिनियम की धारा 66(ई) लगाई गई।1632 पों की चार्जशीट के साथ इलेक्ट्रानिक व अन्य 183 सबूत पेश किए गए। बीते साल कर्नाटक सैक्स स्कैंडल के उछलने के बाद प्रज्वल का नाम सामने आया था, उस पर पचास से ज्यादा महिलाओं के यौन उत्पीडन् का आरोप है। पीड़ित अमूमन हासन, मैसूर व होलेनरासीपुर व करीबी इलाकों की हैं।हासन के इस सांसद के वहीं के स्टेडियम में सैकड़ों की तादाद में बिखरे मिले पेन ड्राइवों में तकरीबन तीन हजार सेक्स क्लिप व तस्वीरें मिलते ही मामले ने तूल पकड़ लिया था। कई वीडियो वह खुद बना रहा था। वीडियो वायरल होते ही वह देश छोड़ कर भाग गया। प्रधानमंत्री रहे दादा, मुख्यमंत्री रहे चाचा और मंत्री पिता का यह इंजीनियर बेटा 2019 में देश में तीसरा सबसे कम उम्र का सांसद बनने पर चर्चा में आया था। दादा के चेताने पर जर्मनी से लौटा तो एयरपोर्ट से ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया।पैसों और हैसियत के बल पर महिलाओं के साथ हैवानियत करने वाले की ताकत का ही भय है कि पचास में से केवल चार पीड़िताओं ने सामने आने का साहस किया। हालांकि पहले वह खुद को बेकसूर और आरोपों को झूठा बता रहा था। मगर पकड़े जाने के बाद उसने काड़ टीवी चैनल को भेजे वीडियो में दादा, मां-बाप, जनता दल (सेक्युलर) के कार्यकर्ताओं व राज्य के लोगों से माफी मांगी। लोगों में अपराधियों के प्रति गुस्से के चलते मामले को दबाया नहीं जा सका।बेशक, यह न्याय प्रक्रिया की ताकत है जिसने राज्य चलाने वालों की विकृति को न सिर्फ उधेड़ा, बल्कि कमजोर वर्ग की उस स्त्री को न्याय देकर छिपी बैठीं पीड़िताओं को न्याया का भरोसा दिया है। हालांकि अभी दोषी ऊपरी अदालत जाने को स्वतंत्र है। वहां तक मामला जाने और सलाखों के पीछे जाने में सालों लग सकते हैं, जिससे बच जाना जरूरी हैं। ताकतवर दोषियों को सजा दिला कर कड़ा संदेश देना बेहद जरूरी है।

शनिवार 09 अगस्त 2025 रक्षाबंधन पर विशेष

भाई-बहिन के स्नेह का प्रतीक है रक्षाबंधन का पर्व

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

भारत एक ऐसा देश है जहाँ लोग साल भर त्यौहार मनाते रहते हैं। उनमें से राखी का त्यौहार लोगों के दिलों में बहुत खास जगह रखता है। बाकी सभी त्यौहारों के मुकाबले रक्षाबंधन एक अलग रिश्ते के महत्व को जताने और दिखाने का उत्सव होता है। बच्चे हों या बुजुर्ग, अपने भाई या बहन के साथ के खास रिश्ते के लिए सभी साल दर साल इसे यादगार तरीके से मनाते रहते हैं। रक्षाबंधन का पर्व भाई और बहन के बीच पवित्र स्नेह को सदियों से दर्शाता चला आ रहा है। रक्षाबंधन का अर्थ होता है रक्षा का बंधन।

हिन्दू धर्म के सभी धार्मिक अनुष्ठानों में रक्षासूत्र बांधते समय पण्डित संस्कृत में एक श्लोक का उच्चारण करते हैं। जिसमें रक्षाबन्धन का सम्बन्ध राजा बलि से स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। यह श्लोक रक्षाबन्धन का अभीष्ट मन्त्र है।

येन बद्धो बलि राजा
दानवेन्द्रो महाबलः
तेन त्वाम् अभिबध्नामि
रक्षे मा चल मा चल।।

इस श्लोक का अर्थ है जिस रक्षासूत्र से महान शक्तिशाली दानवेन्द्र राजा बलि को बांधा गया था,उसी सूत्र से मैं तुझे बांधता हूं। तुम अपने संकल्प से कभी भी विचलित मत होना। भारत में रक्षाबंधन के पवित्र पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इसे रिश्तों में मिठास,विश्वास और प्रेम बढ़ाने वाला पर्व माना गया है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उसकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस दौरान भाई भी अपनी बहन को रक्षा का वचन देता है और क्षमता के अनुसार उसे उपहार देता है। रक्षाबन्धन का पर्व भाई-बहिन के स्नेह का प्रतीक देश का एक प्रमुख त्यौहार है। श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी पर्व भी कहते हैं। इस दिन ब्राह्मण, गुरु द्वारा भी राखी बांधी जाती है। रक्षाबन्धन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता का सांस्कृतिक उपाय रहा है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भी एक सूत्रता के रूप में इस पर्व का उपयोग किया जाता है।

रक्षाबंधन का त्योहार कब शुरू हुआ यह कोई नहीं जानता। लेकिन भविष्य पुराण में इस पर्व का वर्णन मिलता है। जब देवताओं और दानवों में युद्ध शुरू हुआ। तब देवताओं पर दानव हावी होने लगे। देवराज इन्द्र ने घबरा कर देवताओं के गुरू बृहस्पति से मदद की गुहार की। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इन्द्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बांध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण

पूर्णिमा के दिन यह धागा बांधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धन,शक्ति,हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है।

विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण की पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिये फिर से प्राप्त किया था। हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है। महाभारत में ही रक्षाबन्धन से सम्बन्धित कृष्ण और द्रौपदी का एक और वृत्तान्त भी मिलता है। जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाडकर उनकी उंगली पर पट्टी बांध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई।

महाभारत में भी इस बात का उल्लेख है कि जब युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं। तब भगवान कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिये राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि राखी के इस रेशमी धागे में वह शक्ति है जिससे आप हर विपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं। इस समय द्रौपदी द्वारा कृष्ण को तथा कुन्ती द्वारा अभिमन्यु को राखी बांधने के कई उल्लेख मिलते हैं।

स्कन्ध पुराण,पद्मपुराण और श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबन्धन का प्रसंग मिलता है। दानवेन्द्र राजा बलि ने जब 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। तब भगवान विष्णु वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा मांगने पहुंचे। गुरु के मना करने पर भी राजा बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश, पाताल और धरती नापकर राजा बलि को पाताल लोक में भेज दिया।कहते कि पाताल लोक में राजा बलि ने भक्ति के बल पर भगवान विष्णु से रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी।

उत्तरांचल में इसे श्रावणी कहते हैं। ब्राह्मण अपने यजमानों को यज्ञोपवीत तथा राखी देकर दक्षिणा लेते हैं। अमरनाथ की अतिविख्यात धार्मिक यात्रा गुरु पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर रक्षाबन्धन के दिन सम्पूर्ण होती है। कहते हैं इसी दिन यहां का हिमानी शिवलिंग भी अपने पूर्ण आकार को प्राप्त होता है। इस उपलक्ष्य में इस दिन अमरनाथ गुफा में प्रत्येक वर्ष मेले का आयोजन भी होता है। नेपाल के पहाडी इलाकों में ब्राह्मण एवं क्षत्रीय समुदाय में रक्षा बन्धन गुरू के हाथ से बांधा जाता है। लेकिन दक्षिण सीमा में रहने वाले भारतीय मूल के नेपाली भारतीयों की तरह बहन से राखी बंधवाते हैं।

महाराष्ट्र में यह त्योहार नारियल पूर्णिमा या श्रावणी के नाम से विख्यात है। इस दिन लोग नदी या समुद्र के तट पर जाकर अपने जनेऊ बदलते हैं और समुद्र की पूजा करते हैं। राजस्थान में रामराखी और चूड़ाराखी या लूंबा बांधने का रिवाज है। रामराखी सामान्य राखी से भिन्न होती है। इसमें लाल डोरे पर एक पीले छींटों वाला फुंदना लगा होता है। यह केवल भगवान को ही बाँधी जाती है। चूड़ा राखी भाभियों की चूडियों में बांधी जाती है। राजपूत योद्धा जब शत्रु से युद्ध करने जाते थे तब महिलाएं उनको माथे पर कुमकुम का तिलक लगाने के साथ हाथ में रेशमी धागा भी बांधती थी। इस विश्वास के साथ कि यह धागा उन्हे विजयश्री के साथ वापस ले आयेगा।

रक्षा बंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति इतनी लचीली है कि इस में हर संस्कृति समाहित होती चली जाती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक,सौराष्ट्र से असम तक देखें तो यहां के लोग प्रतिदिन कोई न कोई त्योहार मनाते मिलेंगे। इन त्योहारों के मूल में आपसी रिश्तों के बीच मधुरता घोलने एवं सरसता लाने की भावना रहती है। भाई-बहन के बीच प्यार, मनुहार व तकरार होना एक सामान्य सी बात है। लेकिन रक्षा बंधन के दिन बहन द्वारा भाई के हाथ में बांधे जाने वाले रक्षा सूत्र में भाई के प्रति बहन के असीम स्नेह और बहन के प्रति भाई के कर्तव्यबोध को पिरोया गया है।

नोबेल पुरष्कार विजेता कवि रवींद्रनाथ टैगोर ने 1905 में बंगाल विभाजन का विरोध करने के लिए इस त्योहार को मनाने को प्रोत्साहित किया था। वह इस त्योहार के माध्यम से विभिन्न समुदायों के बीच एक मजबूत संबंध बनाना चाहते थे। उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों को एक-दूसरे के हाथों पर राखी बांधने के लिए प्रोत्साहित किया, जो भाईचारे और अपने समुदाय के लिए प्यार का प्रतीक है। इस त्यौहार का जश्न ब्रिटिश शासकों और बंगाल के विभाजन और हिंदुओं और मुसलमानों के बीच मतभेदों के खिलाफ एक शक्तिशाली प्रयास था।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

रक्षा बंधन भाई बहन के प्यार का त्योहार है

लाल बिहारी लाल,
नई दिल्ली

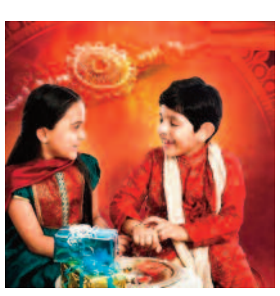

भारत एकता में अनेकता का देश है जहां कई भिन्न -भिन्न धर्मों एंव मतों के लोग रहते हैं। यहां अनेक धार्मिक त्योवहार भी मनाये जाते है। उन्ही त्योवहारों में एक त्योवहार है-रक्षा बंधन। रक्षा बंधन हिन्दुओं एवं जैनियों का एक महत्वपूण त्योवहार है। जो भाई-बहन के रिश्तों पर आधारित है। इसे हर साल सावन मास के पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। रक्षाबंधन में रक्षा सूत्र या राखी का बहुत ही महत्व है। ये राखी आजकल अलग-अलग रुपों में देखने को मिल रहा है। कही धागे का तो कही सोने का तो कहीं चांदी के भी मिल रहे है। यह पर्व भाई-बहन के रिश्तों को मजबूत बनाता है। बहनें भाई को इस दिन रक्षा के रुप में भाई के कलाई पर राखी या रक्षा सूत्र बांधती है। और ललाट पर रोली का तिलक लगाकर मिष्ठान खिलाती है और आरती उतारती है,आरती उतारते समय प्रभू से अपने भाई की रक्षा के लिए प्रार्थना करती है। और भाई अपने बहन को रक्षा का वचन देता है। इतिहास में इसके कई उदाहरण विद्यमान है।

राखी का त्योहार कब शुरू हुआ यह कोई नहीं जानता। लेकिन भविष्य पुराण में वर्णन मिलता है कि देव और दानवों में जब युद्ध शुरू हुआ तब दानव हावी होते नज़र आने लगे तब भगवान इन्द्र घबरा कर देवो के गुरु बृहस्पति के पास गये। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इंद्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति इन्द के हाथ पर बाँध दिया और युद्ध में देव विजयी हुए। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। ऐसा विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बाँधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धन, शक्ति,हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है। पौरानिक काल में राजा जब युद्ध पर जाते थे तो क्षत्राणियां उन्हें रक्षा-सूत्र या राखी बांधती थी।

दूसरी कथा इतिहास मे कृष्ण और द्रौपदी की कहानी प्रसिद्ध है,जिसमे युद्ध के दौरान श्री कृष्ण की उंगली घायल हो गई थी,श्री कृष्ण की घायल उंगली को द्रौपदी ने अपनी साड़ी को फाड़कर एक टुकड़ा बाँध दिया था,और इस उपकार के बदले श्री कृष्ण ने द्रौपदी को किसी भी संकट मे द्रौपदी की सहायता करने का वचन दिया था। और समय आने पर द्रौपदी को चीर हरण से बचाया भी। स्कन्ध पुराण,पद्मपुराण और श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबन्धन का प्रसंग मिलता है। कथा कुछ इस प्रकार है- दानवेन्द्र राजा बलि ने जब 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। तब भगवान विष्णु वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा माँगने पहुँचे। गुरु शुक्राचार्य के मना करने पर भी बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश पाताल और धरती नापकर राजा बलि को रसातल में भेज दिया। इस प्रकार भगवान विष्णु द्वारा बलि राजा के अभिमान को चकनाचूर कर देने के कारण यह त्योहार बलेव नाम से भी प्रसिद्ध है। कहते हैं एक बार बाली रसातल में चला गया तब बलि ने अपनी भक्ति के बल से भगवान को रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान विष्णु के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और बली ने उपहार स्वरुप विष्णु को लौटा दिया।और लक्ष्मी जी अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ लेकर विष्णुलोक आ गयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी। तभी से यह प्रथा भाई बहन के रक्षा के रुप में प्रसिद्ध है। आधुनिकता के बाद भी इस प्रथा को आज भी धूमधाम से मनाया चाता है।

रक्षाबंधन के बदलते मायने:परंपरा से आधुनिकता तक

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,हिसार,हरियाणा

रक्षाबंधन का धागा सिर्फ कलाई पर नहीं,दिल पर बंधता है। यह एक वादा है–साथ निभाने का,सुरक्षा का, और बिना कहे समझ लेने का। बहन की राखी में वो मासूम दुआ होती है जो शब्दों में नहीं कही जाती, और भाई की आंखों में वो संकल्प होता है जो हर चुनौती से लड़ने का हौसला देता है। समय चाहे जितना बदल जाए, दूरियाँ जितनी भी हो, ये धागा हर बार रिश्तों की गर्मी लौटा लाता है। रक्षाबंधन एक उत्सव नहीं, एक एहसास है–जो हर साल हमें जोड़ता है। भारत विविधताओं से भरा देश है,जहां हर त्यौहार न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक होता है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों को भी मजबूत करता है। इन्हीं में से एक विशेष पर्व है – रक्षाबंधन,जो भाई-बहन के रिश्ते की मिठास,प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक है। लेकिन बदलते समय, समाज,तकनीक और सोच के साथ-साथ रक्षाबंधन के मायने भी बदल रहे हैं। यह बदलाव केवल रस्मों तक सीमित नहीं है,बल्कि इस पर्व की आत्मा, इसके उद्देश्य और इसके सामाजिक संदर्भ में भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

रक्षाबंधन की जड़ें भारतीय इतिहास, पौराणिक कथाओं और सामाजिक परंपराओं में गहराई से जुड़ी हैं। द्रौपदी और श्रीकृष्ण की कथा हो या रानी कर्णावती द्वारा हुमायूं को भेजी गई राखी, यह पर्व सदा से रक्षक और संरक्षित के बीच एक नैतिक संकल्प का प्रतीक रहा है। पहले के समय में राखी केवल भाई-बहन के खून के रिश्ते तक सीमित थी। बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती थी और भाई जीवनभर उसकी रक्षा करने का वचन देता था। यह रिश्ता स्नेह, विश्वास और समर्पण से भरा होता था।अब रक्षाबंधन का दायरा केवल खून के रिश्तों तक सीमित नहीं रहा। आज कई महिलाएं अपने दोस्तों,सहकर्मियों,शिक्षकों,सैनिकों और यहां तक कि प्रकृति को भी राखी बाँधती हैं। यह दर्शाता है कि रक्षा अब केवल एक व्यक्ति विशेष का दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक संबंधों की व्यापक जिम्मेदारी बन चुका है। इसका सबसे सुंदर उदाहरण है कि अब बहनें भी अपने छोटे भाइयों को कहती हैं–मैं भी तेरी रक्षा करूँगी। यानी सुरक्षा का रिश्ता अब एकतरफा नहीं रहा,यह परस्पर बन गया है। तकनीक ने आज रिश्तों के

समीकरण ही बदल दिए हैं। पहले जहां राखी भेजने के लिए डाकघर जाना पड़ता था,अब एक क्लिक में डिजिटल राखियाँ,वीडियो कॉल, ऑनलाइन गिफ्टिंग और वर्चुअल सेरेमनी हो रही हैं। विदेशों में बसे भाई-बहन अब भले दूर हों,लेकिन वीडियो कॉल पर राखी बाँधने की परंपरा,स्क्रीन पर तिलक और डिजिटल मिठाई ने एक नई तरह की जुड़ाव की भावना पैदा की है। कुछ लोग भले इसे भावनाओं की कमी कहें, लेकिन सच्चाई यह है कि तकनीक ने दूरी को पाटने का जरिया भी दिया है। पहले रक्षाबंधन पर भाई बहन को मिठाई और उपहार देता था। यह एक तरह से प्रेम की अभिव्यक्ति थी। लेकिन अब कई बहनें कहती हैं–भैया, गिफ्ट नहीं चाहिए, थोड़ी सी फुर्सत चाहिए, समय चाहिए,समझ चाहिए। आज की बहन आत्मनिर्भर है। वह भावनात्मक सुरक्षा,मानसिक सहयोग और बराबरी की भागीदारी चाहती है। उपहार की जगह अब रिश्तों में पारदर्शिता,संवाद और समय की मांग अधिक हो गई है।

पुराने जमाने में रक्षाबंधन का अर्थ था–भाई बहन की रक्षा करेगा। परंतु आज यह परिभाषा बदल रही है। लड़कियाँ भी आज आत्मनिर्भर हैं, अपने भाइयों की मदद कर रही हैं, उन्हें मानसिक और आर्थिक संबल दे रही हैं। रक्षाबंधन अब यह नहीं कहता कि केवल भाई ही रक्षक होगा,बल्कि यह दर्शाता है कि भाई और बहन दोनों एक-दूसरे की ज़िंदगी में सुरक्षा,समर्थन और प्रेरणा बन सकते हैं। आज के समय में रक्षाबंधन केवल भाई-बहन का पर्व नहीं रहा, यह प्रकृति की रक्षा, सामाजिक सौहार्द और समानता का प्रतीक भी बन चुका है। कई स्थानों पर पेड़ों को राखी बाँधने की परंपरा चल पड़ी है–वृक्ष-रक्षा बंधन। बच्चें और महिलाएं वृक्षों को राखी बाँधकर यह संदेश दे रही हैं कि हम केवल मानव की नहीं,प्रकृति की भी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी तरह से सैनिकों को राखी भेजना यह बताता है कि देश की रक्षा करने वाले वीरों के साथ भी हम भावनात्मक रूप से जुड़े हैं।

बहनें अब केवल रक्षा की याचक नहीं, बल्कि स्वाभिमानी,आत्मनिर्भर और संवेदनशील भी हैं। कई परिवारों में बहनें ही भाइयों की आर्थिक, शैक्षणिक या सामाजिक मदद कर रही हैं। यह बदलाव यह संकेत करता है कि रक्षाबंधन अब पौरुष और स्त्रीत्व के सांचे से बाहर निकल कर इंसानी मूल्यों और बराबरी के धरातल पर खड़ा हो रहा है। आज के इस व्यस्त जीवन में भावनाओं की अभिव्यक्ति के तरीके भले बदल गए हों,लेकिन उनकी अहमियत कम नहीं हुई है। भाई-बहन अब केवल राखी के दिन नहीं, सालभर एक-दूसरे के जीवन में सहयोगी बने रहते हैं। रक्षाबंधन एक बहाना है उन रिश्तों को फिर से जीने का, जिनमें कभी झगड़े थे, कभी मिठास,कभी नाराज़गी और कभी अपार स्नेह। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि रिश्ते बनाए नहीं जाते, निभाए जाते हैं। आज रक्षाबंधन केवल हिंदू धर्म या भारतीय संस्कृति तक सीमित नहीं रहा। यह पर्व अब सांप्रदायिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक भी बन चुका है। कई जगह मुस्लिम लड़कियाँ हिंदू भाइयों को राखी बाँधती हैं,ईसाई बच्चे सैनिकों को राखी भेजते हैं – यह सब इस बात का संकेत हैं कि रक्षा का संकल्प मानवता का संकल्प है,न कि केवल किसी धर्म,जाति या समुदाय का। रक्षाबंधन के बदलते मायने हमें यह समझाते हैं कि त्योहार केवल रस्में नहीं होते, वे विचार होते हैं, भावना होते हैं। आज का रक्षाबंधन हमें यह सीख देता है कि रक्षा एकतरफा नहीं, परस्पर होती है। कि रिश्ते खून से नहीं, भावना से बनते हैं। कि प्रकृति, समाज और देश भी हमारी रक्षा के हकदार हैं। और यह कि महिला केवल संरक्षित नहीं, संरक्षक भी हो सकती है। रक्षाबंधन अब केवल एक पर्व नहीं,एक दार्शनिक दृष्टिकोण है–जो कहता है कि प्रेम, समर्पण और समानता से ही समाज और रिश्ते टिक सकते हैं।

रक्षाबंधन:परंपरा,प्रेम और तकनीक का संगम

सुभाष बुड़ावनवाला
,528,काटजू नगर, रतलाम
मध्यप्रदेश

रक्षाबंधन,जिसे सामान्यतःराखी कहा जाता है,भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत भावनात्मक और पारिवारिक त्योहार है जो भाई-बहन के रिश्ते को विशेष रूप से सम्मानित करता है। यह त्योहार श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है और इसका अर्थ है रक्षा का बंधन एक ऐसा पवित्र सूत्र जो भाई-बहन के बीच न केवल भावनात्मक संबंध को मजबूती देता है,बल्कि पारिवारिक और सामाजिक एकता का भी प्रतीक बनता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनके अच्छे स्वास्थ्य,दीर्घायु और समृद्धि की कामना करती हैं। बदले में भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेते हैं और उन्हें उपहार या आशीर्वाद देकर अपने प्रेम को व्यक्त करते हैं। यह परंपरा सदियों पुरानी है और आज भी उसी श्रद्धा और भक्ति से निभाई जाती है।

महत्व और परंपरा

रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का कार्य नहीं है,यह उस अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है जो भाई-बहन के रिश्ते को विशेष बनाता है। बहनें भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर,आरती उतारकर और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं देती हैं। वहीं भाई बहनों को उपहार देकर और संकट के समय साथ देने का वचन देकर इस प्रेम को और गहरा करते हैं।

ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व

रक्षाबंधन से जुड़ी कई कथाएं हैं। पौराणिक मान्यता अनुसार,इंद्र की पत्नी शची ने युद्ध पर जाते समय इंद्र को रक्षा सूत्र बांधा था। वहीं, महाभारत में द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण को राखी बांधने की कथा भी प्रसिद्ध है। ऐतिहासिक दृष्टि से भी रक्षाबंधन का महत्व है। रानी कर्णावती द्वारा मुग़ल सम्राट हुमायूं को राखी भेजने और उसकी प्रतिक्रिया इस त्योहार की गहराई को दर्शाती है।

आधुनिक परिप्रेक्ष्य में रक्षाबंधन

समय के साथ इस पर्व का स्वरूप भी बदला है। अब यह त्योहार सिर्फ सगे भाई-बहनों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मित्रों, सहकर्मियों और सामाजिक रूप से जुड़े लोगों के बीच भी मनाया जाने लगा है। इससे यह पर्व सामाजिक सद्भाव, समानता और आपसी भरोसे को बढ़ावा देता है। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाड़कर उनकी उँगली पर पट्टी बाँध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई।

तकनीक और डिजिटल युग में राखी

आज का युग तकनीक और इंटरनेट का है। अनेक भारतीय जो विदेशों में रहते हैं, वे अपने भाइयों या बहनों को राखी भेजने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्मों का सहारा लेते हैं। ई-कॉमर्स वेबसाइट्स,मोबाइल एप्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से अब राखी का आदान-प्रदान डिजिटल रूप में भी संभव हो गया है। डिजिटल ग्रीटिंग्स,वीडियो कॉल,वर्चुअल राखी और ऑनलाइन उपहारों ने इस पर्व को वैश्विक स्तर पर एक नया आयाम दिया है।

धार्मिक मंत्र और रक्षासूत्र

हिंदू धर्म में रक्षासूत्र बांधते समय एक विशिष्ट मंत्र पढ़ा जाता है

येन बद्धो बलि राजा
दानवेन्द्रो महाबलः
तेन त्वाम् अभिबध्नामि
रक्षे मा चल मा चल।।

इसका अर्थ है जिस रक्षासूत्र से बलशाली राजा बलि को बांधा गया था, उसी सूत्र से मैं तुझे बांधता हूँ। हे रक्षे! तू अडिग रहना,कभी विचलित न होना। यह मंत्र राखी के पवित्र उद्देश्य को स्पष्ट करता है संकल्प, सुरक्षा और अडिग विश्वास। रक्षाबंधन न केवल एक धार्मिक या पारिवारिक उत्सव है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की उस भावना का भी प्रतीक है जिसमें रिश्तों को निभाना, एक-दूसरे की रक्षा करना और प्रेम को सम्मान देना सर्वोपरि माना जाता है।

कविता
भाई-बहन के प्रेम को वंदन

घटती-घटना

सोनल सिंह
कोल्हापुरी,दुर्ग छत्तीसगढ़

वंदन ऐसे प्रेम को ,
जिस जैसा नहीं है दूजा ।
भाई बहन का प्रेम है ऐसा,
जैसे हो कोई अजूबा।
भाई बहन जो नोंक-झोंक ,
किया करते थे दिन रैन।
एक दूजे से मिलने को,
अब रहते हैं बेचैन ।
आये बहन पर आंच ,
भैया दुनिया से लड़ जाए ।
भाई पर जो आए खतरा,
बहन चट्टान सी अड़ जाए।
भाई दूज और रक्षाबंधन ,
दोनों पावन है त्यौहार ।
हर साल बढ़ता जाता ,
इससे भाई बहन का प्यार।
दोनों का है प्रेम अनोखा,
जिसका आदि न अंत ।
वंदन इनके प्रेम को,
जो रहेगा अनादि अनंत ।

कविता
राखी तिहार...

घटती-घटना

प्रीतम कुमार साहू
लिमरा धमतरी
छत्तीसगढ़

भाई बहिनी के सुग्घर मया दुलार !
आगे संगी राखी पुन्नी के तिहार !!
भाई हर बहिनी के करत हे अगोरा!
बहिनी हर राखी के करत हे जोरा !!
भाई के मया बहिनी ला बलावत हे!!
राखी बांधे के बहिनी सुध लमावत हे!
लाल,हरियर,पिऊरा राखी बिसावत हे!
भाई-बहिनी के मया पलपलावत हे!!
गुलाल,चंदन ले बहिनी थारी सजाइस!
आरती उतार के चंदन चोवा लगाइस!!
राखी पहिरा के मिठाई ल खवावत हे!
बहिनी हर भाई ले आशीर्वाद पावत हे
राखी तिहार ला जूरमिल मनावत हे!
सुख दुख के गोठ ल गोठियावत हे!!
बहिनी कहिस चल मोला घर जाना हे!
अवइया बछर लहूट अउ आना हे!!

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

सहकारी बैंक में शाखा प्रबंधक से गाली-गलौच और मारपीट करने वाला आरोपी 3 घंटे में गिरफ्तार

-संवाददाता-
शंकरगढ़,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सहकारी बैंक शंकरगढ़ के शाखा प्रबंधक से गाली-गलौच और मारपीट करने वाले आरोपी को मात्र महज कुछ ही घंटे में गिरफ्तार कर प्रस्तुत किया न्यालय में। मिली जानकारी के अनुसार शंकरगढ़ थाना प्रभारी जितेंद्र जायसवाल के द्वारा बताया कि दिनांक 07 अगस्त 2025 को जिला सहकारिता केंद्रीय बैंक मर्यादित शाखा शंकरगढ़ के शाखा प्रबंधक विजय यादव,56 वर्ष निवासी हर्राटिकरा,अंबिकापुर अपने शासकीय कार्य में व्यस्त थे। इसी दौरान आरोपी संतोष कुमार यादव,45 वर्ष वर्ष निवासी नवापारा थाना शंकरगढ़,बैंक में पहुंचा और अपने लोन संबंधी मामले में विवाद करने लगा।

शाखा प्रबंधक द्वारा लोन प्रक्रिया समझाने पर आरोपी ने हिसाब देने और पैसा वापस करने की मांग करते हुए जान से मारने की धमकी व,मां-बहन की गाली देते हुए चेहरे पर वार किया,जिससे उनका चश्मा गिर गया। मौजूद स्टाफ ने बीच-बचाव कर आरोपी को बाहर किया गया,लेकिन वह बाहर जाते समय भी धमकियां देता रहा। शासकीय कार्य में बाधा और मारपीट की शिकायत पर थाना शंकरगढ़ में अपराध क्रमांक 106/2025 धारा 296,351(2),115(2),132,221 भारतीय न्याय सुरक्षा के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने घटना के महज कुछ ही घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर आज न्यायालय में प्रस्तुत किया किया।

घर-घर तिरंगा-हर घर तिरंगा अभियान हेतु भाजपा मंडल रामगढ़ एवं देवगढ़ की संयुक्त बैठक सम्पन्न

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर घर-घर तिरंगा-हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत आज भाजपा मंडल रामगढ़ और देवगढ़ की संयुक्त बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान पूरे देश में उत्साह और गौरव का प्रतीक बन चुका है। प्रधानमंत्री जी के मन की बात से प्रेरणा लेकर यह अभियान देशवासियों के दिल में जोश भर रहा है। गरीब से गरीब,छोटे घर से बड़े घर तक, हर कोई इसमें भाग ले रहा है। हमें भी सरगुजा जिले के हर घर पर तिरंगा फहराना है, जिससे आजादी के अमृत महोत्सव में हमारा जिला अग्रणी भूमिका निभा सके। उन्होंने आगे कहा कि 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें उन लाखों लोगों के बलिदान और पीड़ा की याद दिलाता है, जिन्होंने देश के विभाजन के समय अपना सब कुछ खो दिया लेकिन भारत माता की एकता और सम्मान को बनाए रखा। यह दिन हमें राष्ट्रीय एकता और भाईचारे के संकल्प को और मजबूत करने की प्रेरणा देता है। बैठक प्रभारी दिनेश साहू ने कहा कि यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह हम सभी के दिल से जुड़ा हुआ कार्य है। आने वाले दिनों में 10 से 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा, 12 से 14 अगस्त तक स्वच्छता अभियान, शहीदों के स्मारकों पर पुष्पांजलि, सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों का सम्मान और 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के कार्यक्रम पूरी ऊर्जा और सक्रियता से संपन्न करने होंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से समयबद्ध और संगठित ढंग से कार्य करने की अपील की। भाजपा जिला सह संवाद प्रमुख रूपेश दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री जी ने ऑपरेशन सिंधु की सफलता को संसद में भारत के विजयोत्सव और गौरव का प्रतीक बताया, उसी प्रकार हमें हर घर तिरंगा अभियान को मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने मंडल स्तर के मीडिया पदाधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और कहा कि फोटो, वीडियो और सभी गतिविधियों को पार्टी के नमो ऐप एवं सरल पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। भाजपा मंडल रामगढ़ अध्यक्ष अखण्ड विधायक सिंह ने कहा कि 10 से 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा का आयोजन प्रत्येक मंडल में किया जाएगा, जिसमें युवा मोर्चा और महिला मोर्चा की विशेष भूमिका रहेगी। इस दौरान गांव-गांव जाकर लोगों को तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जाएगा और आजादी के वीर सपूतों को नमन किया जाएगा। भाजपा मंडल देवगढ़ अध्यक्ष प्रबोध सिंह ने कहा कि 12 से 14 अगस्त तक स्वच्छता अभियान, स्वतंत्रता संग्राम और युद्ध स्मारकों पर पुष्पांजलि, सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों का सम्मान, तथा 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर मौन जुलूस और प्रदर्शनी का आयोजन इस अभियान का हिस्सा होगा। 15 अगस्त की शाम को तिरंगे का सामूहिक उत्सव मनाकर इसे ऐतिहासिक रूप दिया जाएगा। बैठक में अनिल सिंह, सत्यनारायण सिंह, दिनेश यादव,कमलेश जयसवाल,अनिल प्रताप सिंह,कल्पना यादव, राधा रवि , मुन्ना सिंह, अर्जुन सिंह, दीपक सिंघल,मनीष बंसल,बुद्धमोहन सिंह, राम जतन यादव,राम विशाल सिंह, डालेश्वर यादव,शंभु प्रसाद सहित दोनों मंडलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और संकल्प लिया कि घर-घर तिरंगा-हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन का उत्सव बनाया जाएगा।

मिशन शैक्षिक गुणवत्ता एवं शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम पर कार्यशाला का आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

स्कूल शिक्षा विभाग,सरगुजा संभाग के तत्वाधान में आज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अम्बिकापुर के सभागार में मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अन्तर्गत मिशन शैक्षिक गुणवत्ता एवं शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभागायुक्त श्री नरेंद्र दुग्गा एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सरगुजा श्री संजय गुप्ता ने की। सहायक आयुक्त (आदिवासी विकास) डॉ. ललित शुक्ला और विवेकानंद शिक्षा समूह के स्वामी तनमय्यानंद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला में संभाग के सभी जिलों के चिन्हांकित जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के प्रतिनिधि,प्राचार्य, विकासखण्ड स्त्रोत केंद्र समन्वयक,सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, संकुल स्त्रोत केंद्र समन्वयक,शिक्षक और सम्मानित शिक्षाविदों ने भाग लिया। संयुक्त संचालक शिक्षा श्री संजय गुप्ता ने स्वागत-प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जबकि शाला स्तरीय शिक्षा गुणवत्ता से संबंधित विचार श्री आशीष भट्टाचार्य (कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, विश्रामपुर) ने साझा किए। कार्यक्रम का संचालन सहायक संचालक द्वारा किया गया व आभार प्रदर्शन सहायक संचालक श्री अजय मिश्रा ने किया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संभाग स्तर पर कक्षा प्रथम से बारहवीं तक के लिए वार्षिक शैक्षणिक कार्ययोजना विकसित कर, शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता में सुधार लाना तथा बोर्ड परीक्षाओं (कक्षा 10वीं एवं 12वीं) में शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त करने के लिये ठोस रणनीति निर्धारित करना था। कार्यक्रम में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (छम्प्) के सिद्धांतों, वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर के अनुपालन, और पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से समग्र छात्र विकास पर विशेष चर्चा हुई। कार्यशाला में संभागायुक्त श्री नरेंद्र दुग्गा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नवीन तकनीकों का समुचित और विवेकपूर्ण उपयोग, शिक्षक क्षमता विनिर्माण और विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों (लर्निंग आउटकम्स) पर सतत कार्य जरूरी है। उन्होने ड्रॉप-आउट को शून्य करने का लक्ष्य सभी से साझा किया। संयुक्त संचालक श्री संजय गुप्ता ने संवेदनशील विषयों, मूल्यांकन रणनीतियों,कक्षावार पाठ्यक्रम अनुपालन और शिक्षक प्रशिक्षण पर प्रकाश डाला। स्वामी तनमय्यानंद ने नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और स्कूल-स्तरीय जीवन-कौशल पाठ्यक्रम के सम्मेलन पर अपने अनुभव साझा किए। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान केंद्र (डाइट) तथा सफल विद्यालयों के प्राचार्यों ने मॉडल-पाठ, शिक्षण-माध्यम व पैरेंट-टीचर सहभागिता के सफल प्रयोग प्रस्तुत किये।

कार्यशाला में उठाए गए प्रमुख बिंदु एवं अनुशंसाएं : मैदानी-आधारित कार्य योजना स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप प्रत्येक जिला और विकासखण्ड अपनी वार्षिक शैक्षणिक कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र विद्यालयों तक पहुँचाएंगे। नियामक-मॉनिटरिंग तंत्रः जिला व विकासखंड स्तर पर विशेष मॉनिटरिंग टीम गठित कर नियमित निरीक्षण और प्रगति रिपोर्टिंग सुनिश्चित होगी।

टेक्नोलॉजी का समेकित उपयोगः डिजिटल क्लासरूम, ऑनलाइन लर्निंग मॉड्यूल और सीखने की प्रगति ट्रैकर के लिए डाइट के माध्यम से विशेष शिक्षक प्रशिक्षण सत्र आयोजित होंगे। मूल्यांकन सुधार तिमाही मूल्यांकन, वैकल्पिक परीक्षाएं और कक्षा-वार फीडबैक प्रणाली लागू कर कमजोर विषयों में समय पर सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। शिक्षक क्षमता निर्माण मास्टर ट्रेनर मॉडल के तहत क्लस्टर-स्तर पर निरंतर प्रशिक्षण और सह-शिक्षक मेंटरशिप प्रोग्राम चलाए जाएंगे। ड्रॉप-आउट रोकथाम स्कूल-घर-समुदाय समन्वय से कारणों का विश्लेषण कर संवेदनशील परिवारों के लिए विशेष शैक्षिक पहल होगी। शैक्षिक संसाधन विकास प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और गतिविधि-किट के माध्यम से शिक्षण को अधिक रोचक और प्रभावी बनाया जाएगा। समावेशी शिक्षा विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए अनुकूल शिक्षण रणनीतियाँ और सहायक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

कार्यशाला में तय किया गया कि सभी अनुशंसाओं को स्वीकार कर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे। डाइट और जिला स्तर पर उन्हें कार्य योजनाओं में रूपांतरित कर विद्यालयों तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही शिक्षक प्रशिक्षण, मासिक मॉनिटरिंग और संसाधन उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

डॉ डी के सोनी अधिवक्ता एंड आरटीआई कार्यकर्ता को पहली बार मिला आरटीआई पी आई एल एक्टिविस्ट का अवार्ड

फिल्म एक्ट्रेस जरीन खान के करकमलों से हुए सम्मानित,रांची के होटल रेडिशन ब्लू में हुआ द ग्लोबल बिजनेश ऑफ द ईयर अवार्ड 2025 का आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

झारखंड के राजधानी रांची के होटल रेडिशन ब्लू में द ग्लोबल बिजनेश ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2025 का आयोजित समारोह में अधिवक्ता एवं आरटीआई एक्टिविस्ट डॉ डीके सोनी को देश की प्रसिद्ध अभिनेत्री जरीन खान के करकमलों से बेस्ट आरटीआई, पी आई एल एक्टविस ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया । सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता डॉ डी.के. सोनी के द्वारा हमेशा न्याय में देरी,भ्रष्टाचार एवं विभिन्न क्षेत्रों में समाज सेवा हेतु अनेक उत्कृष्ट कार्य किए जाते रहे हैं। डॉ डी0के0 सोनी आम जन के लिए न्याय व्यवस्था को सुदृढ़, सुगम और शीघ्र न्याय प्रदान करने हेतु अपनी संस्था सरगुजा सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस के माध्यम से हमेशा जमीनी स्तर पर एवं आरटीआई के माध्यम से स्थिति स्पष्ट कर माननीय उच्च न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक जनहित याचिकाओं के माध्यम से सफल और निर्णायक कानूनी लड़ाई भी लड़ते रहते हैं। डॉ डी.के. सोनी द्वारा सरकारी विभागों में हो रहे भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों को लेकर अनेकों मामले उठाते रहे हैं, भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुलासा कर दस्तावेजों के आधार पर कार्यवाही कराकर कई भ्रष्ट अधिकारियों,ठेकेदारों के विरुद्ध अपराध भी पंजीबद्ध कराया गया है द ग्लोबल बिजनेश के चयन समिति के द्वारा भारत के विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक एवं कानूनी स्तर पर तथा व्यापार, उद्योग में उत्कृष्ठ कार्य करने वालों का नॉमिनेशन मंगाया गया और उसके बाद चयन किया गया जिसमें सरगुजा एवं सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में आरटीआई एवं पी आई एल एवं अन्य कानून के माध्यम से लगातार सामाजिक स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अंबिकापुर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता एवं आरटीआई कार्यकर्ता डॉ डी के सोनी को भारत के अन्य राज्यों से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं और कई बिजनेसमैन के समक्ष होटल रेडिशन ब्लू रांची में दिनाक 3/9/25 दिन रविवार को एक्ट्रेस जरीन खान के कर कमलों से बेस्ट एडवोकेट एंड आरटीआई, पी आई एल एक्टिविस्ट ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया। रांची में उक्त कार्यक्रम में भारत देश के अलग अलग प्रदेशो से अलग अलग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ साथ बिजनेश मेन भी उपस्थित थे को भी सम्मानित किया गया। उक्त कार्यकर्म में द ग्लोबल बिजनेश के डायरेक्टर तथा कई राजनेता भी उपस्थित थे। अधिवक्ता डॉ डी के सोनी को उक्त अवार्ड मिलने से उनके शुभचिंतकों सहित अधिवक्ताओं और सोसल जस्टिस प्राप्त करने वालो में हर्ष व्याप्त है। इस मौके डॉ डी के सोनी ने यह कहा है कि यह अवार्ड उनके द्वारा किए जा रहे जनहित और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में कार्य करने की प्रेरणा देता है और भविष्य में आगे अधिक ऊर्जा से तेज गति से सामाजिक और जनहित के कार्य को करने प्राथमिकता दिया जायेगा। यह उनका 42 अवार्ड है।

कलेक्टर पहुंचे बौद्धिक मंद बालिकाओं के विशेष विद्यालय एवं वृद्धाश्रम

बच्चों एवं वृद्धजनों का आत्मीयता से जाना हालचाल, आवश्यकताओं को लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने शुक्रवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय बौद्धिक मंदता वाली बालिकाओं के लिए विशेष आवासीय विद्यालय एवं राघवपुरी अजीरमा स्थित वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक,उप संचालक समाज कल्याण विभाग श्री यू.के. उईके सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री भोसकर ने विशेष विद्यालय में निवासरत बौद्धिक मंदता वाली बालिकाओं से संवाद कर उनका हालचाल जाना एवं उन्हें मिठाई वितरित की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने,मेन्यू अनुसार गुणवत्ता युक्त भोजन एवं नाश्ता की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं परिसर की साफ-सफाई को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके उपरांत श्री भोसकर ने राघवपुरी अजीरमा स्थित वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने वृद्धजनों से आत्मीयता से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समाज कल्याण अधिकारी को वृद्धजनों को देवगढ़ एवं अन्य दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराने के निर्देश दिए। साथ ही वृद्धाश्रम में साफ-सफाई, लाइटिंग व्यवस्था, गीजर, सोलर लाइट हेतु बैटरी बदलाव सहित सभी मूलभूत आवश्यकताओं को दुरुस्त रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

दोपहिया वाहन चोरी के मामले का आरोपी गिरफ्तार, 01 नग मोटरसायकल बरामद

- **थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त कार्यवाही**
- **आरोपी के कब्जे से 01 नग हीरो हौंडा मोटरसायकल कुल कीमती 50 हजार रुपये किया गया बरामद**

मामले मे अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है, जिसका पता तलाश किया जा रहा है,आरोपी कों शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायगा

मामले मे अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है,जिसका पता तलाश किया जा रहा है,आरोपी कों शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायगा

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध लगातार धरपकड़ कर कार्यवाही की जा रही हैं,इसी क्रम मे प्रार्थी भूपेंद्र पटेल साकिन ईमलई थाना पनागर जिला जबलपुर मध्यप्रदेश हाल मुकाम खैरबार रोड घुटरापारा थाना कोतवाली अंबिकापुर द्वारा दिनांक 04/08/25 कों थाना कोतवाली आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि प्रार्थी के भाई के नाम से हिरो होण्डा स्प्लेण्डर क्रमाक एमपी/20/एमई/1289 है,जिसे प्रार्थी उपयोग करता है। कि दिनांक 31/07/25 की रात को प्रार्थी उक्त मोटर सायकल को अपने घुटरापारा रोड अम्बिकापुर स्थित किराये के रूम के पार्किंग में खड़ा कर अपने रूम अंदर चला गया। अगले दिन सुबह उठकर देखा तो प्रार्थी का उक्त मोटर सायकल नहीं था। जिसे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है, मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली मे अपराध क्रमांक 532/25 धारा 303(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले के आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, दौरान पता तलाश जरिये मुखबीर सूचना प्राप्त हुआ कि गुरुनानक चौक में एक व्यक्ति स्प्लेण्डर मोटर सायकल को बिक्री करने के लिये मजदुर एव राज मिस्त्री से बातचीत कर ग्राहक खोज रहा है, पुलिस टीम द्वारा सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुंचकर संदेही कों पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम राजेंद्र नगेसिया आत्मज बुधराम नगेसिया उम्र 21 वर्ष साकिन गोधनपुर पानी टंकी के पास थाना गांधीनगर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर अपने अन्य साथी के साथ मिलकर मोटरसायकल चोरी की घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया 01 नग हीरो होंडा मोटरसायकल जप्त किया गया है, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है, मामले मे अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है, जिसका पता तलाश किया जा रहा है, आरोपी कों शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायगा। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार,प्रधान आरक्षक सदरक लकड़ा, आरक्षक अमित विश्वकर्मा,नितिन सिन्हा, दीपक दास सक्रिय रहे।

जिला पंचायत के सामान्य सभा की बैठक सम्पन्न

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत के सामान्य सभा की बैठक गुरुवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में विधायक अंबिकापुर श्री राजेश अग्रवाल, विधायक लुंड्रा श्री प्रबोध मिंज, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह एवं उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव, जनपद पंचायतों के अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक में सभी एजेंडा पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान जिला पंचायत के व्यय का अनुमोदन,एक शिक्षक पंचायत को अनुकम्पा नियुक्ति के लिए अनुमोदन तथा लंबे समय तक अनुपस्थित रहने वाले 2 शिक्षक पंचायत की सेवा समाप्ति हेतु प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ,जुझारू,महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000

नोट:- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता :- कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास,नमनाकला,अम्बिकापुर छत्तीसगढ़, मो0नं0 - 98265-32611

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज ने जिला बलरामपुर-रामानुजगंज का किया वार्षिक निरीक्षण

रक्षित केन्द्र बलरामपुर में ली गई परेड की सलामी...परेड का कराया गया मार्च पास्ट...

-संवाददाता-
बलरामपुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
जानकारी के अनुसार पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री दीपक कुमार झा (भा.पु.से.) दौरे के दौरान दिनांक 07, 08.08.2025 को जिला बलरामपुर रामानुजगंज का वार्षिक निरीक्षण किया गया,उनके द्वारा सर्वप्रथम पुलिस महानिरीक्षक द्वारा रक्षित केंद्र बलरामपुर में परेड कि सलामी ली गई। तत्पश्चात उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। परेड निरीक्षक दौरान आईजी साहब के द्वारा प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारीयों के टर्नआउट का निरीक्षण एवं टोलीवार परेड कराया गया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया

परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। रक्षित केंद्र के वाहन शाखा,स्टोर शाखा,आर्म्स शाखा का निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड संधारण में लापरवाही पाए जाने पर वाहन शाखा प्रभारी पर नाराजगी जताते हुए लगाए फटकार. वार्षिक निरीक्षण के दौरान रेंज आईजी द्वारा रक्षित केंद्र के वाहन शाखा का विधिवत निरीक्षण किया गया। जिसमें शासकीय वाहनों की अद्यतन स्तिथि,रख रखाव एवं लाक बुक सहित उनके दस्तावेजों का विस्तृत अवलोकन किए। जिसके दौरान रिकॉर्ड संधारण में त्रुटियां/कमियां पाए जाने पर वाहन शाखा प्रभारी को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि यथाशीघ्र रिकॉर्ड संधारित करने हेतु वाहन शाखा प्रभारी को सख्त निर्देश दिए। एवं

आर्म्स शाखा,स्टोर शाखा पुलिस यूनिट. बैंक,कैंटीन का निरीक्षण

रक्षित केंद्र के स्टोर शाखा में रखे सामग्रियों के रख रखाव एवं सही समय पर जवानों को वितरण हेतु निर्देश दिए एवं अन्य उपयोगी उपकरणों को समय समय पर मरम्मत कराने एवं मेंटेन रखने हेतु निर्देश दिए। साथ ही आर्म्स शाखा का भी निरीक्षण कर हथियारों को सुरक्षित रखने तथा नियमित रूप से साफ-सफाई व मेंटेन रखने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। रक्षित केंद्र में जवानों के वेल फेयर हेतु संचालित कैंटीन,पुलिस यूनिट बैंक द्वारा अधिकारी/कर्मचारीयों को आवश्यकतानुसार समय समय पर लाभ पहुंचाने के संबंध में रक्षित निरीक्षक को निर्देशित किए।

दरबार में अधिकारी/कर्मचारियों से रूबरू होते हुए सुनी गई उनकी समस्या : पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री दीपक कुमार झा के सतत मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर के नेतृत्व मे रक्षित निरीक्षक विमलेश कुमार देवांगन द्वारा रक्षित केंद्र बलरामपुर में पुलिस दरबार का आयोजन किया गया। दरबार में पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों से रूबरू होते हुए रेंज आईजी द्वारा उनके समस्याएं सुनी गई। जिस दौरान अधिकारी/कर्मचारीयों द्वारा दरबार में अपने प्रमोशन,स्थानांतरण,आवास,बैरक जैसे अपनी समस्याओं को उनके समक्ष पेश होकर रखा उनके समस्या का यथासंभव निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए गए।

आईजी द्वारा नव निर्मित भवन का किया गया लोकार्पण : रक्षित केंद्र बलरामपुर परिसर में वाहन शाखा कार्यालय हेतु नवनिर्मित भवन का पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री दीपक कुमार झा के कर कमल द्वारा लोकार्पण कर जिले के पुलिस अधीक्षक एवं रक्षित निरीक्षक को इस कार्य हेतु उन्होंने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। आईजी सरगुजा द्वारा थाना राजपुर का भी निरीक्षण किया गया। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा वापसी के दौरान थाना राजपुर का निरीक्षण किया गया। जहाँ उन्होंने थानों में संधारित पंजियों, शस्त्रागार, मालखाना और सीसी टीएनएस कक्ष का बारीकी से अवलोकन किए। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि अपराधों के निराकरण में तेजी लाने, जप्ती माल कोयला,कबाड,मोटर सायकल का निराकरण न्यायालय से जल्द कराने,अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर सतत निगरानी बनाए रखने हेतु सख्त निर्देश दिए। वार्षिक निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री वैभव बैंकर (भा.पु.से.),अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विश्व दीपक त्रिपाठी, एसडीओपी कमलेश्वर कुमार भगत, एसडीओपी कुसमी एमानुएल लकड़ा, एसडीओपी बाजी लाल सिंह, रक्षित निरीक्षक विमलेश कुमार देवांगन सहित समस्त थाना/चौकी प्रभारी उपस्थित रहें।

मवेशियों को सड़क हादसों से बचने हेतु गले में पहनाई गई सुरक्षा रेडियम कॉलर पट्टा

सड़क हादसों में कमी लाने के उद्देश्य से? आईजी सरगुजा रेंज,एसपी बलरामपुर द्वारा गौवंश के गले में रेडियम युक्त कॉलर पट्टी बांधी गई है ताकि सड़क हादसों को रोका जा सके। खासतौर पर रात के समय सड़कों पर बैठे मवेशी वाहन चालक को दिखाई नहीं देते जिसकी वजह से भी सड़क हादसे होते हैं। इसी को देखते हुए छ.ग. एसोसिएशन के आपसी समन्वय से रेंज के अन्य जिलों मे भी ये कार्य किया जा रहा हैं।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कर कार्यों का बारीकी से किए निरीक्षण

रक्षित केंद्र बलरामपुर का निरीक्षण उपरांत रेंज आईजी द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय के विभिन्न शाखाओं का भ्रमण करते हुए उनके कार्यों का बारीकी से किए निरीक्षण। निरीक्षण दौरान कार्यालय में अनुसचिवीय बल की कमी होने के दौरान भी जिले के कार्यालयीन कार्यों का संपादन पुलिस अधीक्षक के सतत मार्गदर्शन एवं मुख्य लिपिक के नेतृत्व में जिला बल के स्टॉफ द्वारा सही तरीके से सम्पादित करायें जाना की प्रशंसा किए। साथ ही उन्होंने कहा कि अनुसचिवीय बल की आपूर्ति को दूर करने हेतु आने वाले दिनों में पूर्ण करने का अथक प्रयास किया जावेगा।

पूर्व उप मुख्यमंत्री टी,एस सिंह देव के घर से पीतल की मूर्ति चोरी के मामले मे 04 आरोपी गिरफ्तार

- थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही
- आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया हाथी का पीतल का मूर्ति कीमती लगभग 35 हजार रुपये किया गया बरामद
- आपराधिक गतिविधियों मे संलिप्त आरोपियों पर पुलिस टीम द्वारा की जा रही लगातार सख्त कार्यवाही

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा पैलेस में हुई पीतल की मूर्ति चोरी के मामले में कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 15 किलो वजन की, 35 हजार रुपये कीमत की चोरी गई हाथी की मूर्ति बरामद की है। प्रार्थी राज सोनी साकिन ब्रम्हपारा अंबिकापुर द्वारा दिनांक 04/08/25 कों थाना कोतवाली आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी मैनेजर का काम करता है कि कार्यस्थल पर घर के पोर्च में कई तरह की धातू से बने मूर्ति को रखा गया है कि दिनांक 03/08/25 के दरम्यानी रात को कोई अज्ञात चोर परिसर में घुसकर पोर्च में रखा पीतल से बना 01 नग हाथी की मूर्ति को चोरी कर ले गया है चोरी हुए पीतल की हाथी का वजन लगभग 15 किलों किमती 35,000 रूपये है। मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली मे अपराध क्रमांक 531/25 धारा 331(4), 305 (ए) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले मे चोरी हुई मूर्ति का पता तलाश किया जा रहा था,दौरान पता तलाश मुखबिर सूचना प्राप्त हुआ कि दो संदिग्ध युवक मो0 शरिफउल्ला और मो0 राजूल दोनों मिलकर घटनास्थल अम्बिकापुर से पीतल का हाथी चोरी करके उसे बेचकर नशीला इंजेक्शन खरीद कर खैरबार रोड नहर किनारे में नशेड़ीयों के पास बेच रहे हैं,सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए संदेहीयों के संभावित जगह पर पहुंचकर घेरा बंदी कर पूछताछ किया गया, जिनसे नाम पता व बोरा लेकर खड़े रहने का कारण पुछने पर गोल मोल जबाब देते अपना-अपना नाम (01) मो. शरिफउल्ला खान आत्मज स्व. कलामउल्ला खान उम्र 27 साल निवासी आर्यन मार्ग मोमिनपुरा थाना अम्बिकापुर (02) मो. राजूल अंसारी आत्मज मो. मुख्तार अंसारी उम्र 27 साल निवासी आर्यन मार्ग मोमिनपुरा थाना कोतवाली अम्बिकापुर का होना बताये आरोपियों से पूछताछ किये जाने पर बताया गया कि आरोपी शरिफउल्ला आर्यन मार्ग मोमिनपुरा अम्बिकापुर का रहने वाला है, आटो चलाने के साथ-साथ मजदुरी का काम करता है, नशीला इंजेक्शन लगाने का आदि है। करीब एक माह पहले घुमते फिरते कोठीघर के सामने पोर्च में पितल का हाथी देखा था। रविवार के दिन नशीला इंजेक्शन खरीदने के पिए पैसा की जरुरत होने पर चोरी करने कोठीघर के बाउण्ड्री वाल के अंदर रात करीब 12 बजे घुसा और घर के सामने पोर्च में रखा पीतल का हाथी को चोरी कर अपने घर ले गया था,अगले दिन आरोपी अपने साथी साकिर हुसैन के बिरयानी दुकान मे छुपाकर रखना बताया, दुसरे दिन आरोपी अपने दोस्त मो. राजूल अंसारी से मिलकर एक पीतल का हाथी की मूर्ति चोरी करके लाना बताया साथ ही मूर्ति कों काटने के लिए मशीन होने की बात पूछा, और कटर मशीन होने पर आरोपी के साथ मिलकर पीतल के हाथी की मूर्ति को काट कर बेचने से जो पैसा मिलेगा उससे झारखण्ड जाकर इंजेक्शन खरीद कर लाना एवं उक्त इंजेक्शन कों अम्बिकापुर में बेचना की बात बताया, जिससे कुछ फायदा कमायेगें और कुछ को खुद लगाकर उपयोग करेंगे। तब आरोपी मो. राजूल अंसारी अपने घर से कटर मशीन लेकर आरोपी शरिफउल्ला के घर आया और पीतल के हाथी को साथ में मिलकर काटकर छोटा-छोटा टुकड़ा करके बोरी में भर कर रख दिए, उसके बाद मो. शरिफउल्ला एवं मो0 राजूल अंसारी पीतल के हाथी की मूर्ति को बेचने के लिए कबाड़ी इमरान मलीक से संपर्क किये, जो कटा हुआ पीतल के हाथी का टुकड़ा 18 किलोग्राम को इमरान मलीक कबाड़ी कों 7200 रूपया में बेच दिये। उसके बाद दोनों आरोपी मो. शरिफउल्ला एवं मो0 राजूल अंसारी बस से डाल्टेनगंज झारखण्ड जाकर 220 नग इंजेक्शन लिये और बस से वापस अम्बिकापुर आ गये। कुछ इंजेक्शन को आरोपीगणों द्वारा स्वयं लगाया गया है कुछ को बेच दिये हैं। बाकी 200 नग बचा है। आरोपियों के निशानदेही पर मामले मे शामिल आरोपी (03) इमरान पिता जीमल उम्र 20 साल सा0 जाकीर कालोनी लखीपुरा रोड मेरठ हा0मु0 दर्रीपारा अम्बिकापुर (04) शाकीर हुसैन पिता जाहिद हुसैन उम्र 42 साल सा0 कुचैटा थाना अजीबनगर जिला रामपुर उत्तरप्रदेश हाल मुकाम बिलासपुर चौक दर्रीपारा अंबिकापुर कों पकड़कर पूछताछ किया गया, जो आरोपियों द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे धारा 317(2), 3(5) बी. एन. एस. जोड़कर आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, उप निरीक्षक सम्पत पोटाई,प्रधान आरक्षक अजय पाण्डेय,आरक्षक देवेंद्र पाठक, अमित विश्वकर्मा,नितिन सिन्हा, शिव राजवाड़े, मंटूलाल गुप्ता, मनीष सिंह, रमेश राजवाड़े सक्रिय रहे।

गणेश पूजन पर्व 2025 की तैयारियों को लेकर बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति की बैठक सम्पन्न,शैलेश सिंह 'शैलू' बने अध्यक्ष

गणपति धाम में होगी भव्य महाआरती और सामूहिक विसर्जन,शहरभर के पंडाल होंगे शामिल

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
आज स्थानीय विश्राम गृह अंबिकापुर में बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई,जिसमें आगामी गणेश पूजन पर्व 2025 की विस्तृत रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। एवं सर्वसम्मति से पार्षद श्री शैलेश कुमार सिंह (शैलू) को समिति का अध्यक्ष घोषित किया गया। इसके साथ ही उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, कोषाध्यक्ष,निर्णायक समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मंच संचालन,मीडिया, प्रचार-प्रसार,सोशल मीडिया,महिला संयोजिका तथा गणपति धाम व्यवस्था सहित सभी कार्यों हेतु समितियों का गठन किया गया तथा ज़िम्मेदारियाँ सौंपी गई। गणेश पूजन पर्व का शुभारंभ 27 अगस्त से होगा, जो 6 सितंबर (अनंत चतुर्दशी) तक चलेगा। पर्व का समापन शहर के घड़ी चौक पर आयोजित सामूहिक विसर्जन कार्यक्रम से होगा। इस ऐतिहासिक आयोजन में शहर भर के सभी गणपति पंडाल एकत्रित होकर एक साथ भगवान गणेश का पूजन,चरण वंदन तथा विसर्जन करेंगे। समिति ने इस वर्ष गणेश उत्सव को अधिक व्यवस्थित और भव्य स्वरूप देने हेतु पंडालों को दो वर्गों में-वरिष्ठ और कनिष्ठ-विभाजित किया है। इन वर्गों के आधार पर सर्वश्रेष्ठ पंडाल, सज्जा, और स्वच्छता के लिए अलग-अलग पुरस्कार दिए जाएंगे। एवं सबसे प्रमुख प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गणपति धाम में भव्य महाआरती का निर्णायक मंडल द्वारा इन मानकों पर मूल्यांकन किया जाएगा। बैठक में समिति के संरक्षक भारत सिंह सिसोदिया और अध्यक्ष शैलेश सिंह शैलू ने बताया कि यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं,बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का भी प्रतीक बनेगा। गणपति धाम,हाथी पखना में भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा की स्थापना तथा मंदिर निर्माण कार्य भी तीव्र गति से जारी है। समिति द्वारा मिट्टी वितरण की परंपरा इस वर्ष भी निभाई जाएगी, जिसमें गणपति धाम की पवित्र मिट्टी विभिन्न पंडालों में वितरित की जाएगी।

गणपति धाम की विशेषता यह है कि यहाँ स्वयंभू गणपति की आकृति महामाया पहाड़ पर प्रकट हुई है, जिससे इस स्थान को विशेष धार्मिक महत्व प्राप्त हुआ है। साथ ही,हाथी पखना क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भी इस स्थल को विशिष्ट बनाती है।बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति ने लोकमान्य तिलक की प्रेरणा से यह प्रयास आरंभ किया था, जिसका उद्देश्य न केवल भक्ति का विस्तार करना है, बल्कि समाज में एकता, पर्यावरण जागरूकता और सांस्कृतिक मूल्यों को भी स्थापित करना है। समिति का यह आयोजन आने वाले वर्षों में अंबिकापुर को एक महत्त्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

डाइट अंबिकापुर में छात्र-अध्यापकों ने मनाया स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) अम्बिकापुर में हर घर तिरंगा अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्र-अध्यापकों ने देशभक्ति और स्वच्छता का संदेश देने के लिए रंगोली एवं पोस्टर निर्माण किया। स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग की थीम के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र-अध्यापकों ने अपने कला-कौशल का प्रदर्शन करते हुए रंग-बिरंगी रंगोलियों में तिरंगे, महापुरुषों के चित्र, स्वच्छता का प्रतीक झाड़ू और साफ-सुथरे वातावरण की झलक को उकेरा।

वहीं,पोस्टरों के माध्यम से उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के महत्व और स्वच्छ भारत के संदेश को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया।

विकसित भारत में विनिर्माण क्षेत्र की भूमिका पर व्याख्यान का आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज अंबिकापुर के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आज दिनांक 8/8/2025 को विकसित भारत में विनिर्माण क्षेत्र की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज की प्राचार्य डॉ. सि. शांता जोसेफ ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ.रविंद्र के. ब्रह्मे डीन, सामाजिक विज्ञान,पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़ रहे । व्याख्यान में मुख्य वक्ता ने निर्माण क्षेत्र को आधार बताते हुए इसके आर्थिक, सामाजिक एवं तकनीकी महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र न केवल रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बल्कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के संतुलित विकास में भी सहायक है। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. कल्पना गुहा विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र द्वारा किया गयाद्ध एवं मुख्य वक्ता का संक्षिप्त परिचय डॉ. नीना गुप्ता सहायक अध्यापक अर्थशास्त्र द्वारा दिया गया।

नालसा वीर परिवार सहायता योजना के तहत अम्बिकापुर में लीगल सर्विस क्लीनिक की स्थापना

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सरगुजा (अंबिकापुर) के अध्यक्ष श्री के.एल. चरयाणी के मार्गदर्शन में आज जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, अम्बिकापुर में लीगल सर्विस क्लीनिक की स्थापना की गई। यह क्लीनिक नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025 के अंतर्गत डिफेंस पर्सनल्स,भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को निःशुल्क विधिक सेवा एवं सहायता प्रदान करेगा। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में इस क्लीनिक की शुरुआत की गई है। लीगल सर्विस क्लीनिक का शुभारंभ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सरगुजा (अम्बिकापुर) सुश्री

लीनम बनसोडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन (आई.एन.) यू.एस. चारण,भूतपूर्व सैनिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के कर्मचारी तथा पैरा लीगल वालंटियर्स (पी.एल.व्ही.) उपस्थित रहे। यह पहल वीर परिवारों को शीघ्र एवं सुलभ न्याय दिलाने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

CMYK

ऑपरेशन मुस्कान से जुड़े फिर अधूरे रिश्ते

भाई बन पुलिस ने निभाया फर्ज,लौटाया 19 बच्चों का बचपन

रक्षाबंधन पर लौटी मुस्कान...खोए हुए बच्चों की हुई घर वापसी,रक्षाबंधन पर सुनी कलाइयों पर बंधेंगे रक्षा के धागे

-संवाददाता-
बलरामपुर,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

रक्षाबंधन सिर्फ एक धागा बांधने का पर्व ही नहीं है, बल्कि यह रिश्तों के भरोसे, सुरक्षा के संकल्प और प्रेम के अभिव्यक्ति का प्रतीक है। इस वर्ष बलरामपुर-रामानुजगंज में यह पर्व एक खास मायने लेकर आया। ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत पुलिस ने रक्षक बनकर न केवल गुमशुदा बच्चों को खोज निकाला बल्कि कई परिवारों की खुशियाँ लौटाई, जिससे किसी माँ,किसी बहन के आँसू फिर से खुशियों के आँसू में बदल गए। पुलिस प्रशासन ने भाई की भूमिका निभाते हुए जिले के 19 गुमशुदा नाबालिग बच्चों को उनके परिवार से मिलवाया। ये वे मासूम थे जिनका बचपन कहीं भीड़ में खो गया था,कहीं मजबूरी में छूट गया था और कहीं शोषण की अंधेरी गलियों में गुम हो गया था। लेकिन रक्षाबंधन से ठीक पहले,ऑपरेशन मुस्कान 2025 के तहत उन्हें सुरक्षित घर वापस लाया गया। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देश पर 1 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक जिले में चलाए गए इस अभियान में कुल 19 नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू किया गया, जिनमें 13 बच्चियां और 06 बालक शामिल हैं। ये बच्चे न केवल छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से, बल्कि चेन्नई, महाराष्ट्र,तेलंगाना,दिल्ली जैसे दूरस्थ राज्यों से भी खोजे गए।

गुमशुदगी से घर वापसी तक का सफर

ग्राम पुरसवाडीह निवासी जो पेशे से एक साधारण किसान हैं ने अपनी बेटी के मिलने वाले दिन को याद कर हुए भावुक स्वर में कहा कि मैं गांव का एक सीधा-साधा किसान हूं। वे बताते हैं कि तमिलनाडु का नाम तो सुना था,पर कभी सोचा नहीं था कि मेरी बेटी वहाँ पहुँच जाएगी। जिस दिन वो बिना कुछ बताए घर से चली गई, जैसे हमारे जीवन का कोई बड़ा हिस्सा ही टूटकर अलग हो गया। कई दिन तक समझ नहीं आया क्या करें, कहाँ जाएँ। लेकिन पुलिस ने हमें सिर्फ आश्वासन नहीं दिया,भरोसा भी दिलाया और वो भरोसा निभाया। ऑपरेशन मुस्कान के ज़रिए मेरी बेटी को हजारों किलोमीटर दूर तमिलनाडु से खोजकर वापस लाया गया। जिस दिन थाने से फोन आया कि आपकी बेटी मिल गई है खुशी के आँसू खुद-ब-खुद बहने लगे। वे कहते हैं कि मेरी खुशी लौटाने के लिए मैं पुलिस और इस पूरे अभियान का सदैव ऋणी रहूँगा।

ग्राम खजुरियाडीह निवासी ने बताया कि रिश्तेदार में आयी बालिका 1 जनवरी को अपने घर ग्राम क्योझर जाने के लिए घर से निकली थी,लेकिन वह अपने घर नहीं पहुंची। वे बताते है कि पहले तो यही सोचा कि कहीं रिश्तेदारों के यहाँ गई होगी। पूरे गाँव और आस-पास में पता किया, सब जगह खोजबीन की। लेकिन सात दिन बीत गए, और उसका कुछ पता नहीं चला। तब हमने चांदो थाना जाकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। उसके बाद हर दिन और हर रात एक ही सवाल रह गया था मेरी बेटी अब कहाँ होगी। हर आहट पर लगता था कि शायद वो आ गई और उसके आने की आस में हमारी निगाहें दरवाजे पर टिक जाती थीं। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, तो मिलने की आस भी धीरे-धीरे छूटती गई।फिर ऑपरेशन मुस्कान के तहत जब पुलिसवालों ने बताया कि हमारी बेटी दिल्ली में सकुशल मिली है और उसे लेकर लौट रहे हैं तो यक़ीन ही नहीं हुआ। ऐसा लगा जैसे हमारी सूनी दुनिया में फिर से उजाला लौट आया हो। आज मेरी बेटी घर में है, हँसती है, बात करती है इससे बड़ी कोई दौलत नहीं। उन्होंने इसके लिए शासन प्रशासन पुलिस और ऑपरेशन मुस्कान से जुड़ी पूरी टीम के प्रति तहेदिल से आभार प्रकट किया।

ऑपरेशन मुस्कान के संबंध में पुलिस अधीक्षक श्री बैंकर वैभव रमनलाल ने बताया की यह अभियान उन बच्चों के लिए चलाया गया है जो किसी कारणवश अपने घरों से बिछुड़ गए थे या गुमशुदा थे। अभियान में जिले की महिला एवं बाल संरक्षण इकाई, चाईल्ड लाईन,थाना स्तरीय पुलिस टीमों व अन्य संबंधित एजेंसियों का सक्रिय सहयोग रहा। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान का मुख्य उद्देश्य गुमशुदा,बेसहारा एवं तस्करी के शिकार बच्चों की पहचान कर उन्हें सुरक्षा देना है। बच्चों को ढूंढने में आधुनिक तकनीक, सोशल मीडिया, एवं स्थानीय खुफिया नेटवर्क का कुशलतापूर्वक उपयोग किया गया। बलरामपुर पुलिस की इस सफलता पर पुलिस अधीक्षक ने पूरी टीम को बधाई दी एवं आमजन से अपील की कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर जागरूक रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

आंसु से मुस्कान तक का अभियान

पुलिस बच्चों के अधिकारों के रक्षा करने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इस अभियान में पुलिस की ज़मीनी मेहनत और मानवीय संवेदना साफ झलकती है। सीमावर्ती गांवों से लेकर शहरी झुग्गियों तक, पुलिसकर्मियों ने दिन-रात एक कर अभियान चलाया। उन्होंने न केवल पुराने गुमशुदगी के रिकॉर्ड खंगाले, ऑपरेशन मुस्कान के तहत थानों में गुमशुदा बच्चों की पुरानी फाइलों को संज्ञान में लेते हुए तत्परता से कार्रवाई की गई। इस 1 महीने के अभियान में गहनता से जांच पड़ताल की गई। जिन बच्चों को लंबे अरसे से अपने परिवार से मिलने की उम्मीद नहीं थी उन बच्चों की पहचान की गई और पुलिसकर्मियों के समर्पण, कड़ी मेहनत और अथक प्रयास का परिणाम है कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बच्चों को सुरक्षित व ससम्मान उनके परिजनों को सौंपा गया।

नाबालिक को जान से मारने का भय दिखाकर दुष्कर्म करने वाला 72 घंटो के भीतर हुआ गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के मानिकपुर क्षेत्र मे हुए दुष्कर्म के मामले मे प्रार्थिया चौकी मानिकपुर क्षेत्र की चौकी उपस्थित आकर लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर प्रथम सूचना पत्र दर्ज कराई कि,आरोपी धमेन्द्र कुमार साहू उर्फ धन्नु पिता स्व0 मुरित राम साहू उम्र-43 वर्ष सा0 सहसा थाना पामगढ़ जिला जांजगीर चांपा हा0मु0 मानिकपुर डीपरापारा कोरबा चौकी मानिकपुर थाना कोतवाली जिला कोरबा के द्वारा घटना दिनांक 02.08.2025 के सुबह 11.00 बजे के आसपास जबरन इसके साथ शारीरिक संबंध बनाया है तथा घटना को किसी को बताने पर जान से मारने का धमकी दिये जाने का रिपोर्ट दर्ज कराए जाने पर प्रथम दृष्टया मे अपराध घटित होना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। प्रकरण की गम्भीरता को पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी (भापुसे),अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश ठाकुर (रा0पु0से0) एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा भूषण एक्का (रा0पु0से0) को अवगत कराया, जो वरिष्ठ अधिकारीयो के प्राप्त के निर्देश के विवेचना कार्यवाही कर आरोपी की पता तलाश हेतु क्षेत्र में मुखबीर को सक्रिय किया गया। घटना के बाद आरोपी फरार था जिसे मुखबीर एव तकनीकि साक्ष्य एकत्र कर 72 घंटे के भीतर आरोपी को हिरासत में लिया जाकर विधिवत् कार्यवाही किया गया। प्रकरण का आरोपी के विरूद्ध धारा सदर का अपराध घटित करना सबूत पाये जाने से उक्त धारा सदर में विधिवत गिरफ्तार किया गया है। उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक एम0बी0 पटेल थाना प्रभारी कोतवाली एवं चैकी प्रभारी नवीन पटेल के कुशल मार्गदर्शन में सउनि सुदामा प्रसाद पाटले, महिला प्रधान आरक्षक स्मिता बेक,महिला आरक्षक उमा श्याम के द्वारा की गयी है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अन्तर्गत

युवा दिवस के अवसर पर खेल सप्ताह का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
एमसीबी, 08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

भारत सरकार की लोकप्रिय योजना ÷बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजनाअन्तर्गत मिशन शक्ति हब महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा बालिकाओं के प्रतिभा को सामने लाने एवं हर क्षेत्र में बालिकाओं के सक्रिय भागिदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला दण्डाधिकारी डी. राहुल वेकंट के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी राज कुमार खाती के मार्गदर्शन में जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा के द्वारा कई स्कूलों में खेल सप्ताह का आयोजन प्रारम्भ किया जा रहा है। पूर्व माध्यमिक शाला बौरीडांड में खेल सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमें बालिकाओं को आउटडोर गेम में खो-खो, कुर्सी दौड, बोरा दौड, 100 मीटर दौड, फ्लाइण्डनेस जैसे खेल एवं इनडोर में कैरम, लुडो, सांप सीढ़ी, जैसे खेलों का आयोजन किया गया। दोनों ही प्रकार के खेलों में बालिकाओं ने पूर्ण आनन्द प्राप्त किये। बालिकाएं प्रत्येक खेल में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। इस खेल सप्ताह का प्रमुख उद्देश्य बालिकाओं के आत्मविश्वास को सुदृढ़ करना एवं बालिकाओं के छिपे हुए प्रतिभा को दुनिया के सामने उजागर करना है। इस हेतु बालिकाओं को खेल के माध्यम से अधिक से अधिक सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकी बालिकाएं भी हर क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले सकें और समाज तथा देश में अपना अलग पहचान बना सके।

आज के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शाला के प्रधान पाठक श्री एन. लकरा, शिक्षक मंजुला डे, रीना साहू, एवं राजकुमार यादव ने अपना पूर्ण सहभागिता दिखाई। महिला एवं बाल विकास विभाग मिशन शक्ति (हब) से जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा ने सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन किया साथ ही नवा बिहान की संरक्षण अधिकारी श्रीमती नीता पाण्डेय,केन्द्र प्रशासक श्रीमती प्रियंका राजवाड़े, अमिषा कुशवाहा परामर्शदाता सखी वन स्टॉप सेन्टर,कलावती सुपरवाइजर एवं देवंती बाई चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 ने कार्यक्रम के सफल संचालन में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

एकलव्य विद्यालयों में लेटरल एंट्री से प्रवेश हेतु चयन परीक्षा 24 अगस्त को

-संवाददाता-
एमसीबी,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिले के आदिवासी छात्रों के लिए एक बार फिर से एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में अध्ययन का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीड़ीह एवं जमथान में कक्षा 7 वीं,8 वीं,9 वीं एवं 11 वीं में रिक्त कुल 21 सीटों पर लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश के इच्छुक छात्र-छात्राएं 18 अगस्त 2025 तक पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीड़ीह (विकासखंड खड़गवां, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) में जमा कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा 24 अगस्त 2025 को प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित की जाएगी, जिसका केंद्र पोड़ीड़ीह स्थित एकलव्य विद्यालय रहेगा। यह परीक्षा कक्षा 7 वीं, 8 वीं और 9 वीं के लिए आयोजित होगी, जबकि कक्षा 11वीं में प्रवेश कक्षा 10वीं में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची के अनुसार किया जाएगा। प्रवेश हेतु अनिवार्य शर्तों में यह आवश्यक है कि विद्यार्थी छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी हो, राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित हो तथा किसी अन्य विद्यालय से निष्कासित न किया गया हो। पोड़ीडीह विद्यालय में कक्षा 8वीं में एक सीट (बालिक), और कक्षा 11वीं में कुल छः सीटें (6 बालक) उपलब्ध हैं। वहीं जमथान विद्यालय में कक्षा 7वीं में एक बालक के लिए सीट उपलब्ध है। कक्षा 9वीं में 03 सीट (बालक) एवं कक्षा 11वीं में 10 सीट (9 बालक, 1 बालिका) कुल मिलाकर 21 छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा का अवसर प्राप्त होगा। प्रवेश नीति, पात्रता, आरक्षण एवं नियमों की विस्तृत जानकारी जिला सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग कार्यालय मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं संबंधित एकलव्य विद्यालयों के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

'हर घर तिरंगा' अभियान अंतर्गत कोसाबाड़ी मंडल भाजपा की विशेष कार्यशाला हुई आयोजित

-संवाददाता-
कोरबा,08 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

देश की एकता,अखंडता और गौरव के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी द्वारा हर घर तिरंगा-मोर तिरंगा मोर अभिमान अभियान अंतर्गत कोसाबाड़ी मंडल में एक भव्य एवं प्रेरणास्पद कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का नेतृत्व भाजपा के जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी ने किया,जिन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को अभियान की भावना, लक्ष्य और कार्यक्रमों की रूपरेखा से विस्तार पूर्वक अवगत कराया। इस अवसर पर गोपाल मोदी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल ध्वज फहराने का आयोजन नहीं,बल्कि यह देश की अस्मिता,नागरिक चेतना और राष्ट्रभक्ति का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर में तिरंगा फहराने के संकल्प को पूरा करने के लिए बूथ स्तर तक जाकर जनसंपर्क करें, समाज में जागरूकता फैलाएं और हर नागरिक को जोड़ें। इस कार्यशाला में यह तय किया गया कि आगामी 10 से 15 अगस्त तक विभिन्न गतिविधि अंतर्गत महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई व माल्यार्पण,तिरंगा यात्रा, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस, हर कार्यकर्ता और नागरिक के घर पर झंडा फहराने जैसे कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर संपन्न किया जाएगा। उक्त कार्यशाला में भाजपा के अनेक वरिष्ठ एवं सक्रिय पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक चावलानी,मंडल अध्यक्ष डॉ. राजेश राठौर,प्रभारी पूर्व मंडल अध्यक्ष ईश्वर साहू,जिला युवा मोर्चा महामंत्री एवं पार्षद नरेंद्र देवांगन, श्रीमती ज्योति वर्मा,श्रीमती मंजू सिंह, श्रीमती मनोरमा शर्मा,वरिष्ठ नेता दीपनारायण सोनी,बलराम विश्वकर्मा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष पंकज सोनी, मंडल महामंत्री मिलाप राम बरेठ, कार्यक्रम संचालक पुनीराम साहू, श्रीमती हार बाई यादव,श्रीमती स्वाति कश्यप, श्रीमती सरस्वती पटेल,श्रीमती मीरा सोनी, पार्षद श्रीमती चंद्रकली,शिव जायसवाल,लक्ष्मण श्रीवास,श्रीमती सुनीता विकास चौहान,अजय गोंड, राकेश वर्मा,प्रताप सिंह कंवर,पूर्व पार्षद संजय कुर्वंशी,श्रीमती वर्षा दिनेश वैष्णव,आदि सहित अन्य उपस्थित रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.......... अ- 6 /2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदकगण राजेन्द्र कुमार सिंह, रविन्द्र कुमार सिंह, राजेश कुमार सिंह आ.स्व. महावीर सिंह, ममता सिंह पत्नि स्व. रत्नेश कुमार सिंह, वंशराज सिंह, श्रेया सिंह आ.स्व. रत्नेश कुमार सिंह, निवासी अंधारी बगीचा (गुदरी बाजार) अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. वगैरह के द्वारा तदाशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण की माता तथा सास / दादी श्रीमती कमलेश्वरी देवी के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 03, मोहल्ला अंधारी बगीचा स्थित नजूल प्लॉट नं. 1145/4 रकबा 0.09 एकड़ भूमि स्थित है । श्रीमती कमलेश्वरी देवी की मृत्यु दिनांक 11.11.1999 को हो गई है। अतः भूधारक श्रीमती कमलेश्वरी देवी की मृत्यु हो जाने उपरांत आवेदकगण द्वारा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से श्रीमती कमलेश्वरी देवी का नाम विलोपित किये जाने हेतु मृत्तक भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखितं दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/08 / 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं । नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/08/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील)

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

CMYK

क्या रावण के अहंकार का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे राजनीतिक लोग?

रेणुकेश्वर महादेव पर हुए विरोध के बाद बदला गया नाम,विधायक ने नाम दिया महादेव

जनपद अध्यक्ष ने कहा अभी सही है, अवैध मदरसा की जांच होनी चाहिए

सोनहत भाजपा संगठन और विधायक में दूरी पर जिलाध्यक्ष की चुप्पी आखिर क्यों?

-रवि सिंह-
कोरिया,08 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

भगवान, जिन्हें ईश्वर भी कहा जाता है, एक सर्वोच्च शक्ति है जिसे कई धर्मों और संस्कृतियों में पूजा जाता है। यह वह शक्ति है जो सृष्टि की रचना, पालन और संहार करती है, और जिसे अक्सर परम सत्य,असीम ज्ञान,और अनंत शक्ति का प्रतीक माना जाता है। भगवान की अवधारणा विभिन्न धर्मों में अलग-अलग हो सकती है, लेकिन सामान्य तौर पर,भगवान को एक ऐसे अस्तित्व के रूप में देखा जाता है जो इस ब्रह्मांड का निर्माता और शासक है,और जो सभी प्राणियों का पालन-पोषण करता है। कुछ धर्मों में, भगवान को एक व्यक्तिगत देवता के रूप में पूजा जाता है,जैसे कि हिंदू धर्म में विष्णु,शिव,और दुर्गा, या ईसाई धर्म में पिता,पुत्र,और पवित्र आत्मा। कुछ अन्य धर्मों में,भगवान को एक निराकार शक्ति के रूप में देखा जाता है,जैसे कि अद्वैत वेदांत में ब्रह्म, या इस्लाम में अल्लाह। भगवान शब्द का अर्थ है ईश्वर या परमात्मा,जो एक सर्वोच्च सत्ता,एक दिव्य शक्ति,या एक पूजनीय देवता को संदर्भित करता है,यह शब्द भारतीय धर्मों में,विशेष रूप से हिंदू धर्म में,एक शक्तिशाली और पूजनीय व्यक्ति या देवता के लिए उपयोग किया जाता है,यह भी उतना ही सही है कि व्यक्ति एक अदृश्य शक्ति को भगवान मानता है, जिसका एक रूप मानकर उसकी पूजा अर्चना करता है,यह भी उतना ही सही है कि व्यक्ति की श्रद्धा में भगवान है पर क्या भगवान के नाम पर कुछ व्यक्ति ही अधर्म कर रहे हैं, राजनीति की आड़ में कहीं भगवान को तो अपमानित करने का प्रयास तो नहीं हो रहा, भगवान आपके अंदर की सच्ची श्रद्धा है जिनका अवलोकन आप अपने मन में करते हैं, उनके प्रति आपके अंदर एक भय भी होता है आप यह भी सोचते हैं कि भगवान तो सब जानते है, आदमी से किसी चीजों को छुपा सकते हैं पर भगवान से आपको छुपाने की आवश्यकता नहीं पड़ती है,आपके अंदर का भय यह बता देता है कि आप कुछ ना कुछ गलत किए हैं, जिस वजह से भगवान का डर आपके अंदर रहता है, पर आज के समय में भगवान को राजनीति के बीच में खड़ा कर दिया गया है, भगवान को लेकर राजनीति हो रही है जबकि भगवान पूरे संसार में ब्रिजमन है जिन्हें कोई भी एक जगह नहीं दे सकता, क्योंकि उनकी दी हुई जगह पर आज मनुष्य अपना जीवन यापन कर रहा है पर आप किसी एक स्थान पर भगवान को रखकर यदि आप यह बताना चाह रहे हैं कि अपने भगवान को स्थान दे दिया है तो यह आपकी गलतफहमी, यह गलतफहमी बहुत बड़ी है जो आज की राजनीति में देखने को मिल रहा है,धर्म की लड़ाई छेड़ रहा है और ऐसे धर्म की लड़ाई में चंद स्वार्थी लोग सब कुछ भूल कर अपने आप को भगवान से भी क्या सर्वोच्च मानने लगे हैं, यह सवाल तब उत्पन्न हो रहा है जब सोनहत में महादेव के नाम से राजनीति की प्रकाष्ठा पर की जा रही है, चंद लोगों के द्वारा अपने नेता को खुश करने के लिए या उनके हां में हां मिलाने के लिए स्वर से स्वर मिलने के लिए वह महादेव को भी अपने अधीन समझने लगे? धर्म की आड़ में कहीं पाप तो नहीं कर रहे? क्योंकि पाप तो मन में है क्योंकि कोई भी धर्म की पूजा का तभी सफल होता है जब कोई व्यक्ति बिना स्वार्थ के भगवान के लिए भावनात्मक मन से कोई कार्य करता है, क्योंकि मन भी भगवान को समर्पित होता है, राजनीति में सबसे ऊपर उठने के लिए सच्चे शक्ति व सच्चे भक्त की आवश्यकता होती है ना कि दिखावे की और वह भी भगवान के नाम, पर जो बहुत समय तक नहीं चलता है सर्वोच्च तो वही होता है जो सही सोच के साथ लोगों के हित के साथ आगे बढ़ता है ना कि किसी को ठेस पहुंच कर वह अपनी सर्वश्रेष्ठता तय करता हो।सोनहत में रेणुकेश्वर महादेव नाम पर बढ़े विवाद पर भरतपुर सोनहत विधायक ने पटाक्षेप करने की कोशिश की है, जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य के अगुवाई में सनातन गौरव मंच द्वारा सोनहत में विराजित महादेव का सोनेश्वर महादेव के रूप में अभिषेक किया था, विगत दिनों इस मामले में स्वयं विधायक ने पटाक्षेप किया,और ग्राम पंचायत के प्रस्ताव पर महादेव मंदिर और महादेव चौक किया,इस पर सनातन गौरव मंच ने प्रसन्नता जाहिर की, साथ ही यह भी कहा कि सोनेश्वर महादेव के रूप में क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य और जनपद पंचायत अध्यक्ष के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने नाम दिया है तो यह नाम भी महादेव का हम सदैव मानेंगे, महादेव के कई रूपों में यह स्वरुप दिव्य है, सोनहत के सोनेश्वर महादेव और कटगोड़ी के सिद्धेश्वर महादेव की अपार महिमा का प्रभाव क्षेत्र में दिख रहा है, सनातन गौरव मंच द्वारा पूरे क्षेत्र में भक्ति भाव और सनातन जागरण के लिए कार्य किया जाएगा, इस पूरे मामले में सभी ने देखा कि कैसे राजनीति के लिए महादेव को भी नहीं छोड़ा गया, जहां एक मूर्ति स्थापित करने के लिए तमाम विधियों का पालन किया जाता है,मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाती है सब चीज नियम के साथ मुहूर्त में किया जाता है और यह परंपरा आदिकाल से चली आ रही है पर क्या राजनीति के लिए यह सब काम भी हड़बड़ी में बिना विधि विधान के किया जा सकता है? सिर्फ राजनीति के लिए या फिर किसी एक समूह को नीचा दिखाने के लिए महादेव पर भी ऐसा हक जताया जा रहा है कि वह मेरे हैं एक पक्ष बता रहा है कि वह मेरे हैं पर पूरा संसार जान रहा है कि वह सभी के हैं पर भगवान पर भी अपना अधिकार जमाने के लिए क्या रावण के अहंकार का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे राजनीतिक लोग? पहले तो दूसरे धर्म या फिर राजनीतिक वजह से आनन-फानन में शिवलिंग रख दिया गया और उसके बाद अब वहां पर महादेव चौक का नाम भी तय कर दिया गया अब यह सब सिर्फ अहंकार ही माना जा रहा है?

Renuukaa Sinngh
18h ·

महादेव चौक, सोनहत
धर्म और आस्था के संगम सोनहत के मुख्य चौक का नाम स्थानीय निवासियों के विशेष माँग पर महादेव चौक किया गया है, आज से इस चौक को महादेव चौक के नाम से जाना जाएगा।
Bjp Chhattisgarh

न्यायालय ने दृष्टिहीन नाबालिग से दुष्कर्म मामले में सौतेले पिता और रिश्ते में नाना को आजीवन अंतिम सांस तक की उम्र कैद की सजा सुनाई

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

एक चौकाने वाले और दिल दहला देने वाले मामले में सूरजपुर की फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय ने एक दृष्टिहीन नाबालिग लड़की से बार-बार दुष्कर्म करने के आरोप में उसके सौतेले पिता और रिस्ते में लगने वाले नाना को अंतिम सॉस तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। ओड़गी थाना क्षेत्र के इस मामले ने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री आनंद प्रकाश वारियाल की अदालत ने दोनो दोषियों को उनके जघन्य अपराधों के लिए यह कठोर सजा सुनाई। सौतेले पिता को मिली आजीवन कारावास की सजा मुख्य आरोपी, सौतेला पिता वंशलाल,वर्ष 2022 से 2024 तक नाबालिग लड़की के साथ लगातार दुष्कर्म करता रहा। अदालत ने वंशलाल को पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत् दोषी पाया और उसे जीवन की अंतिम सॉस तक कारावास और 1000 रूपये जुर्माना भरने की सजा सुनाई। नाना भी हुआ दोषी दूसरे दोषी,धर्मेन्द्र गुर्जर,जो रिश्ते में लड़की का नाना है उसने भी इस क्रूरता में हिस्सा लिया। अदालत ने पाया कि 09 जुलाई 2024 को जब सौतेले पिता द्वारा जबरन बलात्कार करने के उसी दिन घटना के एक-दो घंटे के उपरांत दूसरे दोषी धर्मेन्द्र गुर्जर ने नाबालिग बालिका,नेत्रहीन होना जानते हुये दिव्यांगता का फायदा उठाकर जबरन अपने घर के अंदर ले जाकर कमरे में बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया। धमेन्द्र गुर्जर को भी पॉक्सो एक्ट की धारा-6 के और धारा 127 बी.एन.एस. के तहत् दोषी ठहराया और उसे भी अंतिम सॉस तक आजीवन कारावास और 1000 रूपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा धारा-127 बी.एन.एस. के तहत् उसे 1 वर्ष का कठोर कारावास और और 500 रूपये का अतिरिक्त जुर्माना भी भरना होगा। अदालत का यह फैसला एक मजबूत संदेश देता है कि मासूमों के खिलाफ ऐसे घिनौने अपराध करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, खासकर तब जब अपराधी ही उनका संरक्षक हो। शासन की ओर से विद्वान अधिवक्ता श्री नरेश कौशिक ने इस मामले की पैरवी की,जिसके परिणामस्वरूप दोनों दोषियों को आजीवन अंतिम सॉस तक की सजा मिली।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरिया ने सैनिकों एवं उनके परिवारों के लिए लीगल सर्विसेस क्लीनिक का हुआ उद्घाटन

-संवाददाता-
कोरिया,08 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुण्ठपुर, कोरिया ने सैनिकों एवं उनके परिवारों के लिए एक नई पहल की है, जिसमें लीगल सर्विसेस क्लीनिक का उद्घाटन किया है।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के आदेशानुसार, शैलेश कुमार तिवारी, प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुण्ठपुर के मार्गदर्शन में स्थापित की गई है। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण बोर्ड कार्यालय बैकुण्ठपुर में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 150 सैनिकों एवं उनके परिवारों को मुफ्त कानूनी सहायता एवं परामर्श प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। इस क्लीनिक में पैरालीगल वालंटियर के रूप में भूतपूर्व सैनिकों की नियुक्ति की जानी है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुण्ठपुर, रही। साथ ही इस उद्घाटन समारोह में अजय सिंह चीफ, के.बी. नामदेव डिप्टी, और समस्त स्टॉफ, साथ ही जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के अधिकारी जैसे कमांडर रणजीत सिंह, श्री जे.सी. मंडल, सुरेन्द्र कुमार शर्मा, विभाष चन्द्र सरकार, डमरूधर मिश्रा, गिरिवर प्रसाद, चोकेन्द्र कुमार साहू आदि उपस्थित थे।

हाईपॉवर कमेटी से निर्धारित वेतन का एक रुपया भी नहीं देना है किसी को कमीशन:विधायक भूलन सिंह मरावी

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

केतकी कॉल माइंस में ठेकेदारों की मनमानी काफी दिनों से सुर्खियां बटोर रही थी जिसकी शिकायत लगातार प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह के पास होता रहा, जिस पर तड़के आज सुबह 6 बजे विधायक केतकी खदान पहुंच ठेका मजदूरों से बात किया जिसमे मजदूरों ने बताया कि ठेकेदार को पैसा वापस नहीं करने से काम से बैठा दिया जाता है जिस कारण उन्हें मजबूर होकर अपना कमाया हुआ पैसा वापस करना पड़ता है।

बताया गया कि एसकेएमपीएल से अनुबंधित ठेकेदारो के द्वारा ठेका श्रमिकों के खाता में एसईसीएल के हाईपॉवर कमेटी से निर्धारित दैनिक वेतन लगभग 1385 रुपए डालकर ठेकेदार अपने मुनिमों के माध्यम से श्रमिकों को रोजाना का 900 रुपए देकर बाकी पूरा पैसा वापस ले लिया जाता है,जिस पर आज प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह ने सुबह 6बजे खदान पहुंच सभी मजदूरों को खड़ा कर समझाइश दिया कि अपने कमाई का पैसा किसी को भी एक रुपया अपने खाता से निकालकर देने की जरूरत नहीं है जितना आपके खाते में पैसा डाला जाता है वह सब आपके खून पसीने की कमाई का पैसा होता है ,आपलोग हाई रिस्क लेकर खदान के नीचे घुस देश को कोयला आपूर्ति करने का काम कर रहे है, इस कारण आपलोग के लिए हाईपॉवर कमेटी ने एसईसीएल कंपनी के एक कैटगरी के कर्मचारियों को देने वाला वेतन के समतुल्य वेतन चुना है जिसमें सिर्फ आपका अधिकार है। आप को किसी के धमकी से भी डरने की जरूरत नहीं है अगर कोई भी ठेकेदार बेवजह किसी को काम से बैठाता है तो मेरे से सीधे संपर्क करे ताकि उस पर लीगल एक्शन लिया जा सके। विधायक ने कहा कि पिछले महीना जुलाई का पेमेंट आपके खाते में डलने वाला है जिस पर किसी के द्वारा पुनः पैसों की मांग न किया जाए इसलिए मेरा आना अभी अनिवार्य हुआ वही, ठेकेदारों की मुनिमों को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर मजदूरों से पैसा वापस लेने की कोई दुस्साहस किया तो बेइज्जत होकर एरिया से बाहर का रास्ता देखना होगा इसके लिए तैयार रहना किसी भी मजदूर से पैसा की मांग होने का शिकायत आया तो मेरे बर्दाश्त से बाहर होगा।

सूत्रों से खबर है कि मजदूरों से वसूला गया पैसा से मैनेजमेंट का देखा जाता है जिसमें कुछ यूनियन लीडर,प्रबंधन ,खदान का जानकारी रखने वाले कुछ खास लोग, व ठेकेदार को संरक्षण देने वाले स्थानीय लोगों का मजदूरों के खून पसीने की कमाई से हर महीने उनके पैकेट गरम किया जाता रहा है।

इस दौरान निज सचिव महादेव सिंह, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि संत सिंह, दरोगा सिंह,धनराज,अरुण,एसकेएमपीएल के पर्सनल मैनेजर सहित खदान के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे खास बात तो यह है कि वर्षों से मजदूरों की कमाई हराम का खाते आ रहे लोगो का विधायक की इस कड़ी पहल के बाद क्या होगा,कहीं फिर कोई दूसरा रास्ता तो नहीं चुनेंगे ,मजदूरों को शोषण करने का।

अंचल में अर्धरात्रि के समय नकाबपोश लुटेरों ने आतंक मचाते हुए ट्रक चालक से नगदी व मोबाइल लूट

-संवाददाता-
कोरबा,08 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

कोरबा शहर में लुटेरों के हौसले बुलंद हो गए हैं। गत अर्धरात्रि लगभग 3:00 बजे 3 नकाबपोश युवकों ने एक ट्रक चालाक को चाकू की नोक पर डरा-धमकाकर 6,000 रुपए नगद एवं मोबाइल छीन लिया। जानकारी के अनुसार उक्त घटना कोरबा जिलान्तर्गत जलगांव चौक के पास प्रेम नगर क्षेत्र में घटित हुई। बताया जा रहा हैं की ट्रक चालक रात्रि पहर में वाहन लेकर जा रहा था, तभी रास्ते में तीन नकाबपोश युवकों ने अचानक सामने आ गए। उन्होंने चाकू दिखाकर चालक को धमकाया और जेब से नगदी व मोबाइल लूटकर मौके से फरार हो गए। ट्रक चालक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी हैं जिसपर पुलिस द्वारा आगे की कार्यवाही की जा रही है।

छत्तीसगढ़ बनेगा शिक्षा और इनोवेशन का हब

» मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन का योगदान,आईआईएम और एनआईटी रायपुर को 172 करोड़ का अनुदान

रायपुर,08 अगस्त 2025(ए)। मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन ने छत्तीसगढ़ के दो प्रमुख शिक्षण संस्थानों,भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, को 172 करोड़ का अनुदान देने की घोषणा की। इस ऐतिहासिक पहल के तहत आईआईएम रायपुर को 101 करोड़ और एनआईटी रायपुर को 71 करोड़ की सहायता प्रदान की जाएगी। यह योगदान छत्तीसगढ़ को शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

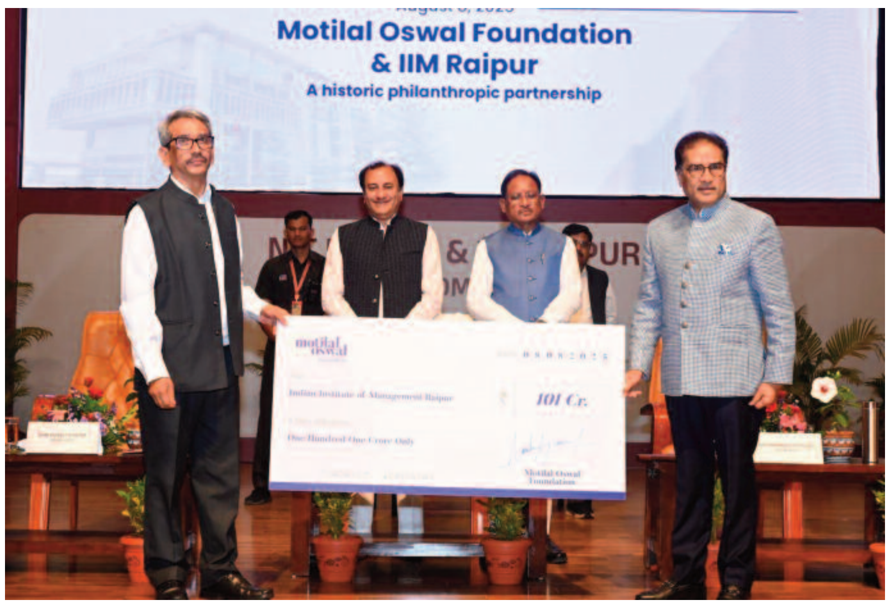

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

इस सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन का हस्ताक्षर समारोह रायपुर के डीडीयू ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, आईआईएम रायपुर के चेयरमैन पुनीत डालमिया, एनआईटी रायपुर के चेयरमैन डॉ. सुरेश हावरे, एनआईटी के निदेशक डॉ. एन.वी. रमना राव, आईआईएम रायपुर के प्रभारी निदेशक डॉ. संजीव प्रशार, स्किल डेवेलपमेंट विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन,और मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के ट्रस्टी रामदेव अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रामदेव अग्रवाल की जन्मभूमि को श्रद्धांजलि-

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन और सह-संस्थापक रामदेव अग्रवाल, जो रायपुर के निकट नागपुरा गांव के मूल निवासी हैं, ने इस अनुदान को अपनी जन्मभूमि को समर्पित किया है। एक किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले श्री अग्रवाल ने कहा, छत्तीसगढ़ मेरी जड़ों का हिस्सा है। इस धरती ने मुझे शिक्षा और मूल्यों की नींव दी,जिसने मेरे जीवन को आकार दिया। आईआईएम और एनआईटी रायपुर को यह सहायता देना मेरे लिए एक पूर्ण चक्र की तरह है, जिसके माध्यम से मैं अपनी जन्मभूमि को विश्वस्तरीय शिक्षा और नवाचार का केंद्र बनाने में योगदान दे रहा हूँ।

एनआईटी रायपुरः इनोवेशन और उद्यमिता का नया केंद्र-

एनआईटी रायपुर को मिले ₹71 करोड़ का उपयोग 'मिथिलेश अग्रवाल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप इन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ' की स्थापना के लिए किया जाएगा। यह केंद्र अग्रवाल की स्वर्गीय माता की स्मृति में बनाया जा रहा है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, ब्लॉकचेन, आईओटी और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। इस केंद्र का लक्ष्य 2030 तक 10,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित करना, 250 से अधिक स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट करना और 5,000 से अधिक रोजगार सृजित करना है। यह छत्तीसगढ़ को तकनीकी नवाचार और उद्यमिता का एक प्रमुख केंद्र बनाएगा।

एनआईटी रायपुरः वैश्विक स्तर की सुविधाएं और अंतरराष्ट्रीय प्रोग्राम

एनआईटी रायपुर को प्राप्त ₹101 करोड़ का अनुदान विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उपयोग किया जाएगा। इसमें 'अग्रवाल ओसवाल स्टूडेंट रेजिडेंस' नामक 202 कमरों वाला छात्रावास और श्री अग्रवाल के स्वर्गीय पिता की स्मृति में 'दाऊ राम गोपाल अग्रवाल नॉलेज सेंटर' नामक एक एकेडमिक ब्लॉक शामिल है। इन परियोजनाओं से 2030 तक संस्थान की छात्र क्षमता 500 से बढ़कर 1,200 हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, यह फंडिंग आईआईएम रायपुर को अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी में छह दोहरी डिग्री वाले एमबीए प्रोग्राम शुरू करने में सक्षम बनाएगी। यह पहल आईआईएम ग्यपुर को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों की श्रेणी में ले जाएगी।

निर्माण कार्य और भविष्य की योजनाएं-

दोनों परियोजनाओं का निर्माण कार्य वित्तीय वर्ष 2025-26 में शुरू होगा और 2027-28 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह पहल 'विकसित भारत एटदीरेट 2047' के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी,जिससे छत्तीसगढ़ शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में एक वैश्विक पहचान बनाएगा।

नेताओं और शिक्षाविदों की प्रतिक्रिया

मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के चेयरमैन मोतीलाल ओसवाल ने कहा,रायपुर ने मुझे रामदेव अग्रवाल जैसे सहयोगी और मित्र दिए। यह योगदान उस भूमि के प्रति हमारी कृतज्ञता है, जिसने हमारे सपनों को पंख दिए। हम चाहते हैं कि ये संस्थान सैकड़ों युवाओं को प्रेरणा, आत्मविश्वास और बड़े सपने देखने का साहस दें। आईआईएम रायपुर के चेयरमैन पुनीत डालमिया ने इस सहयोग को एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा, यह अनुदान हमें वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान करने और समावेशी नेतृत्व की नई पीढ़ी तैयार करने में सक्षम बनाएगा। एनआईटी रायपुर के चेयरमैन डॉ. सुरेश हावरे ने कहा, यह त्रिपक्षीय सहयोग समाजसेवा, सरकार और शिक्षा जगत को एकजुट करता है। यह केंद्र मध्य भारत में नवाचार का एक नया युग शुरू करेगा,जो युवाओं को सशक्त बनाएगा और छत्तीसगढ़ को तकनीकी प्रगति का केंद्र बनाएगा।

एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन.वी. रमना राव ने कहा,यह केंद्र 'विकसित भारत एटदीरेट 2047' के लक्ष्य का प्रतीक है। हम अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से स्टार्टअप्स और रोजगार सृजन को बढ़ावा देंगे, जिससे छत्तीसगढ़ औद्योगिक और शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र बनेगा।

छत्तीसगढ़ के लिए एक नया युग

मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन का यह योगदान छत्तीसगढ़ को शिक्षा और नवाचार के वैश्विक नक्शे पर स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर है। यह पहल न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देगी, बल्कि युवाओं को सशक्त बनाकर और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करके क्षेत्रीय और राष्ट्रीय विकास को गति प्रदान करेगी। यह रामदेव अग्रवाल की जन्मभूमि के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता और छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य के लिए उनके दृष्टिकोण का प्रतीक है।

राज्यपाल डेका ने रक्षाबंधन पर्व की दी शुभकामनाएं

रायपुर,08अगस्त 2025(ए)। राज्यपाल रमेन डेका ने रक्षाबंधन के पावन अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल डेका ने अपने संदेश में कहा है कि रक्षाबंधन का यह पर्व भाई-बहन के अटूट स्नेह एवं प्रेम का प्रतीक है। आज के दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर पवित्र राखी का धागा बांधेगी और तिलक लगाकर उनके कल्याण की कामना करेंगे तथा भाई अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प लेंगे। डेका ने कहा कि यह पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और मजबूत करे और सभी प्रदेशवासियों के पारिवारिक जीवन में सुख-शांति एवं खुशहाली लेकर आए

सीएम विष्णुदेव साय ने रक्षाबंधन पर्व की प्रदेशवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएं...

रायपुर,08 अगस्त 2025 (ए)। सीएम विष्णु देव साय ने रक्षाबंधन पर्व के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और परस्पर सौहार्द की मंगलकामना करते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते की आत्मीयता, समर्पण और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को दर्शाता है, जिसमें बहनें अपने भाई की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और सुरक्षा के लिए रक्षा-सूत्र बांधती हैं, वहीं भाई भी बहनों की रक्षा और सम्मान का संकल्प लेते हैं। रक्षाबंधन पारिवारिक और

सामाजिक रिश्तों को सशक्त करने वाला पर्व है।उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक पारंपरिक त्यौहार नहीं है, बल्कि यह आपसी विश्वास, प्रेम, करुणा और दायित्व बोध की भावना को भी उजागर करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस अवसर पर समाज में सौहार्द, भाईचारा और महिला सम्मान को और अधिक सशक्त बनाने के लिए संकल्प लें।

रायगढ़ में अडानी कंपनी के गुर्गो द्वारा पत्रकारों से की गई बदसलूकी

» अब पत्रकारों ने खोला मोर्चा, रायगढ़ प्रेस क्लब ने की निंदा

» खदान प्रभावित ग्रामीणों ने घटना का जमकर किया विरोध

रायगढ़,08 अगस्त 2025(ए)। अडानी के समर्थन में जिलाधीश कार्यालय लाए गए ग्रामीणों से जब पत्रकारों ने पूछताछ शुरू की और पोल खुलने लगी तब अडानी के गुर्गे पत्रकारों पर पिल पड़े और धमकीङ्क चमकी, मारपीट पर उतारू हो गए। मजे की बात ये है कि यह सब पुलिस की मौजूदगी में हुआ। चौथे स्तंभ को एक उद्योग पति के गुर्गों द्वारा गुंडा कह कर संबोधित करने पर पत्रकार भड़क गए। मौके पर मौजूद पुलिस बल की समझाइश भी उद्योगपति के गुर्गों को शांत नहीं करा पा रही थी। इस दौरान अडानी के गुर्गे पत्रकारों पर लगातार रौब झाड़ते नजर आए और देख लेने, मरवा देने जैसे धमकी भरे शब्दों का भी खुलकर इस्तेमाल किया गया।

प्रशासन और पुलिस का रहा सपोर्ट

खास बात ये रही कि अडानी के गुर्गो द्वारा ग्रामीणों को कलेक्ट्रेट लाने के लिए बकायदा तमनार से पुलिस उनके साथ आई थी। एक उद्योग पति के कोयला खदान को साम दाम दण्ड भेद की नीति अपनाकर किसी भी तरह ग्रामीणों को जल जंगल जमीन से बेदखल करने की हर रणनीति अपना रही है। यह घटना भी उसी की एक हिस्सा बनने जा रही थी लेकिन ऐन मौके पर पोल खुल गई।

पुलिस में की गई शिकायत,निंदा प्रस्ताव पारित

कलेक्टर कार्यालय के बाहर अडानी कंपनी के गुर्गों द्वारा पत्रकारों से बदसलूकी की गई और गुंडा कहते हुए जान से मारने तक की धमकी दी गई। इससे खफा पत्रकारों ने पहले तो चक्रधर नगर थाने में उसके खिलाफ मामला दर्ज करने आवेदन दिया, फिर प्रेस क्लब ने निंदा प्रस्ताव पारित किया। अब यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है और पत्रकारों ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

ग्रामीणों ने पत्रकारों को दिया समर्थन

कलेक्टोरेट में जहां कुछ फर्जी ग्रामीण जो अडानी कंपनी के एजेंट थे,उन्होंने बदजुबानी की थी वहीं गुरुवार को तमनार क्षेत्र के आधा दर्जन गांव के लोग पत्रकारों से मिलने आए और अपना समर्थन दिया। ग्रामीणों ने बताया कि जरूरत पड़ने पर हजारों ग्रामीण पत्रकार हित में धरने पर भी बैठे सकते हैं। वहीं थोड़ी देर बाद रायगढ़ प्रेस क्लब द्वारा केलो प्रवाह कार्यालय में क्लब की आपातकाल बैठक बुलाई गई। बैठक में बुधवार को अडानी कंपनी के गुर्गों द्वारा पत्रकारों को गुंडा और जान से मारने की धमकी देने पर घोर असंतोष जताते हुए निंदा प्रकट किया गया। इस मौके पर सभी पत्रकारों ने एक स्वर में अडानी कंपनी के गुर्गो की त्वरित गिरफ्तारी और वहां कंपनी के मौजूद कर्मचारियों की नौकरी से बर्खास्तगी की मांग की। प्रेस क्लब अध्यक्ष हेमंत थवाईत ने पत्रकारों की सुरक्षा का आश्वासन देते हुए कहा कि इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा करने के लिए शुक्रवार को एसपी से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के साथ बदसलूकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी चाहे वह जो भी हो।

सड़क पर स्टंट और रीलबाजी पर हाईकोर्ट सख्त

▶▶ रईसजादों पर की तीखी टिप्पणी,

▶▶ सीएस से मांगा जवाब,कहा-अब बर्दाश्त नहीं होगी लापरवाही

बिलासपुर,08अगस्त 2025(ए)। न्यायधानी बिलासपुर में सोशल मीडिया के लिए सड़कों पर बनाए जा रहे खतरनाक रील्स और स्टंट को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने तीन अलग-अलग मामलों को स्वतः संज्ञान में लेते हुए राज्य सरकार से पूछा है कि अब तक दोषियों पर क्या कार्रवाई हुई? साथ ही भविष्य में इस पर कैसे रोक लगेगी,इसका भी विस्तृत हलफनामा मांगा गया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की खंडपीठ ने इन मामलों पर गहरी नाराजगी जताते हुए स्पष्ट किया कि यदि अगली सुनवाई तक संतोषजनक रिपोर्ट नहीं मिली तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने सितंबर में अगली सुनवाई तय की है।

एक रईस युवक द्वारा नई लक्जरी कार के साथ शहर में हाईवे पर काफिला निकालकर रील बनाई गई। छह काले रंग की लग्जरी गाड़ियां, ड्रोन कैमरा और तेज म्यूज़कि के साथ हाईवे पर हंगामा हुआ, जिससे कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई। मीडिया में मामला आने और हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद पुलिस ने चालानी कार्रवाई और कुछ गाड़ियों की जब्ती की, लेकिन कोर्ट ने इस पर सवाल उठाया कि केवल 2000 रुपए का जुर्माना काफी नहीं है।

दूसरी ओर रिवर व्यू क्षेत्र में कुछ युवकों ने चलती कार के सनरूफ से बाहर निकलकर स्टंट करते हुए रील बनाई। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया। तीसरे मामले में फिल्म अभिनेता संजय दत्त के जन्मदिन पर एक व्यक्ति ने साथियों सहित सड़क पर केक काटा और गाने पर नाचते हुए रील बनाई। यह क्लिप सोशल मीडिया पर पोस्ट हुई और युवक को गिरफ्तार किया गया।

हाईकोर्ट ने कहा है कि सड़कों पर इस तरह का उपद्रव आम नागरिकों की जान को खतरे में डालता है और प्रशासन की नरमी चिंताजनक है, खासकर तब जब इसमें पैसे वाले और बिगड़ैल युवक शामिल हों। कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि वह सभी तीनों मामलों में अब तक हुई पुलिस जांच, एफआईआर की स्थिति और अन्य कार्रवाई की विस्तृत जानकारी हलफनामे के रूप में पेश करें।

रायपुर में जल्द बनेगा आधुनिक एनसीडीसी भवन

सांसद बृजमोहन अग्रवाल के प्रयासों से मिली बड़ी सौगात

रायपुर,08अगस्त 2025(ए)। छत्तीसगढ़ समेत रायपुरवासियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है अब राजधानी रायपुर में भी राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र का आधुनिक और सशक्त भवन बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के अंतर्गत इस परियोजना के लिए कुल 14 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। यह संभव हो पाया है रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल के लगातार प्रयासों और स्वास्थ्य मंत्रालय से उनकी सार्थक पैरवी के कारण। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शुक्रवार को अगस्त 2025 को लोकसभा में इस विषय को विस्तार से उठाया और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री से राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, क्षेत्रीय कुष्ठ प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी मांगी।

स्वास्थ्य मितानिनों ने मानदेय बढ़ाने की मांग की

रायपुर,08 अगस्त 2025 (ए)। तहसीलदार-नायब तहसीलदारों का प्रदर्शन ख़त्म होने के बाद अब छत्तीसगढ़ का मितानिन संघ सरकार के खिलाफ धरने पर बैठ गया। सरकार के सामने उन्होंने तीन मांगे रखी हैं। इन तीन मांगों में मानदेय क्षतिपूर्ति में 50 प्रतिशत वृद्धि की मांग भी शामिल है। छत्तीसगढ़ की मितानिनें अपनी मांगो के साथ रायपुर के तूता धरना स्थल पर जुटे हुए है। दरअसल छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य मितानिन संघ की तीन प्रमुख मांगे रही है। इनमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में संविलयन, दूसरा मानदेय क्षतिपूर्ति में 50 प्रतिशत वृद्धि करना और किसी भी एनजीओ के साथ काम नहीं करने जैसे मांगे शामिल है। इन मांगों को पूरा कराने मितानिनें संभागस्तरीय धरना प्रदर्शन कर रही है। मितानिन संघ का यह धरना पांच दिनों तक संभागीय स्तर पर जारी रहेगा।

फैक्ट्री के गेट के सामने बदमाशों ने मजदूर को उतारा मौत के घाट

रायपुर,08अगस्त 2025(ए)। राजधानी रायपुर के उरला इलाके में मजदूर की हत्या के बाद छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने आज उरला थाने का घेराव कर दिया। सेना के कार्यकर्ता कंपनी प्रबंधन के साथ मामले में संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, 5 अगस्त की शाम नव दुर्गा इस्पात के गेट के सामने कुछ बदमाश युवकों ने किरत साहू नाम के मजदूर की लाठी, डंडे और राड से बेदम पिटाई कर दी थी, जिसकी उपचार के दौरान आज मृत्यु हो गई. इस घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ी क्रांति सेना के समर्थकों ने फैक्ट्री और थाना का घेराव कर दिया. छत्तीसगढ़ी क्रांति सेना का आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन की लापरवाही से मजदूर की मृत्यु हुई है. जिसके कारण मजदूर के परिवार को उचित मुआवजा मिलना चाहिए।

नक्सलियों ने शहीदी सप्ताह के आयोजन में किया शक्ति प्रदर्शन

बस्तर,08अगस्त 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सलियों ने अपने शहीदी सप्ताह के मौके पर एक बार फिर अपनी ताकत दिखाई है। तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती इलाके में बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर शहीदी सप्ताह मनाया। बताया जा रहा है कि यह पहला मौका है, जब इतनी बड़ी संख्या में नक्सली इस शहीदी सप्ताह के दौरान मौजूद रहे। इस दौरान नक्सलियो के साथ आसपास के गांवों के करीब 12 हजार से ज्यादा ग्रामीण मौजूद रहे। नक्सलियों ने खुद इस शहीदी सप्ताह का वीडियो जारी किया है।बताया जा रहा है कि यह वीडियो सुकमा जिले का है, जिसमे बड़ी संख्या में माओवादी अपने सांस्कृतिक नृत्य करते दिखाई दे रहे हैं। साथ ही, कई ग्रामीण भी रैली में शामिल नजर आ रहे हैं।

बनाया गया नया स्मारक

इसके अलावा माओवादियों ने अपने शीर्ष नेता बसवराजू और अन्य मारे गए साथियों की याद में एक नया स्मारक भी बनाया है। इसका उल्लेख जारी वीडियो में भी गया है। बस्तर क्षेत्र में 28 जुलाई से 3 अगस्त तक माओवादियों ने शहीदी सप्ताह मनाया। इस दौरान वे अपने मारे गए नेताओं और साथियों को श्रद्धांजलि देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करते हैं। वीडियो में दिखाया गया है कि माओवादी इस सप्ताह को बड़े स्तर पर मना रहे हैं, जिसमें स्थानीय लोगों की भागीदारी भी देखी गई। प्रशासन इस वीडियो और माओवादी गतिविधियों पर नजर रख रहा है और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की तैयारी कर रहा है।नक्सली टॉप कमांडर और भाकपा माओवादी पार्टी के महासचिव बसवराजु को मुठभेड़ में मारे जाने के बाद से नक्सली लगातार शहीदी सप्ताह मनाने का ऐलान करते आए हैं।

नौकरी के नाम पर 30 लाख की ठगी

दुर्ग,08अगस्त 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक शातिर ठग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जो खुद को मंत्रालय रायपुर में बड़ा बाबू बताकर बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी का झांसा दे रहा था। आरोपी साबास खान ने छह जिलों में घूम-घूमकर कुल 30 लाख 94 हजार रुपये की ठगी की। अब पुलिस ने उसे महासमुंद से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।मामला तब सामने आया जब प्रार्थी ढालसिंह वर्मा ने स्मृति नगर चौकी में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि 6 मार्च को उसकी मुलाकात साबास खान नामक व्यक्ति से हुई थी। साबास ने खुद को मंत्रालय रायपुर का बड़ा बाबू बताते हुए ढालसिंह और उसके साथियों को मंत्रालय और पोस्ट ऑफिस में सरकारी नौकरी लगाने का झांसा दिया। इसके एवज में उनसे नकद और बैंक के माध्यम से लाखों रुपये ले लिए गए।

छत्तीसगढ़ पुलिस सिर्फ ये अभ्यर्थी दे सकेंगे एग्जाम

रायपुर ,08अगस्त 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) ने पुलिस विभाग में आरक्षक संवर्ग के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया का दूसरा चरण शुरू हो गया है। व्यापम द्वारा आयोजित इस भर्ती परीक्षा का आयोजन 14 सितंबर 2025 को किया जाएगा। इस परीक्षा में सिर्फ फिजिकल टेस्ट क्लियर करने वाले उम्मीदवार ही भाग लेंगे। फिजिकल क्लियर करने के बाद अब उन्हें रिटर्न टेस्ट दिलाना होगा। यह परीक्षा पांच संभागों रायपुर,बिलासपुर,दुर्ग, अंबिकापुर और जगदलपुर में निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो घंटे की होगी

ऑनलाइन आवेदन की तिथि और प्रक्रिया

उम्मीदवारों को 05 अगस्त से 27 अगस्त 2025 तक व्यापम की आधिकारिक वेबसाइट vyapamcg.cgstate.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन करते समय सभी आवश्यक विवरणों को ध्यानपूर्वक भरना और शुल्क का भुगतान करना अनिवार्य रहेगा।

माताओं- बहनों की खुशहाली ही है विष्णु देव का

संकल्प रक्षाबंधन

एक बहन के लिए भाई उसके सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि की कामना करता है, ताकि वह खुशहाल जीवन जी सके। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की माताओं- बहनों के प्रति इसी संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता से काम रही है। बैंक खाते में नगद राशि के साथ 'महतारी वंदन योजना' उन्हें आत्मनिर्भरता और सम्मान दिला रही है। प्रदेश की लाखों महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर समृद्धि का रास्ता तय कर रही हैं। महिला सशक्तिकरण की योजनाओं से प्रदेश में महिलाओं के अंदर अब जो सुरक्षा का भाव पैदा हुआ है, वह उन्हें एक नया आत्मविश्वास दिला रहा है।

भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व 'रक्षाबंधन' हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस दिन बहनें मंगल कामना के साथ अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बांधती हैं और भाई उनकी रक्षा का वचन देते हैं। यह त्यौहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और मजबूत बनाता है। रक्षाबंधन का त्यौहार अपनी बहनों के साथ ही सभी महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और अस्मिता के लिए जागरूक और प्रतिबद्ध करता है। हमारी सरकार उनकी सुरक्षा, सम्मान, समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है।

-विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सशक्त महिलाएं समृद्ध छत्तीसगढ़

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

महतारी वंदन योजना

अब तक 69.19 लाख से अधिक महिलाओं को ₹11728 करोड़ की सहायता

सखी वन स्टॉप सेंटर

SOP लागू करने वाला पहला राज्य, संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल सहायता, परामर्श और कानूनी सहायता

यूनिटी मॉल

महिला स्व-सहायता समूहों को नवा रायपुर में उत्पादों के विक्रय के लिए मिलेगा वृहद बाजार

मानदेय सीधे बैंक खातों में

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय अब सीधे बैंक खातों में भुगतान से पारदर्शिता

महतारी सदन

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी ग्राम पंचायतों में उद्यम- व्यवसाय केंद्र की स्थापना

छत्तीसगढ़ महिला कोष

महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास हेतु वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण

सक्षम योजना

विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा और अविवाहित महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में सहायता

लखपति दीदी योजना

योजना का उद्देश्य प्रत्येक जिले में 35,000 महिलाओं को प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता देकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करना

बिहान योजना

इसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संगठित करना

मिनीमाता महतारी जतन योजना

पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसव के बाद 20,000 की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना

18 से 50 वर्ष की महिला श्रमिकों को सिलाई मशीन हेतु सहायता

महिला कल्याण के लिए चार नए पोर्टल

- शी- बाक्स ऑनलाइन शिकायत पोर्टल
- बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ पोर्टल
- महिलाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास और निगरानी के लिए इंफ्रा पोर्टल
- महिला कल्याण की विभिन्न योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन के लिए स्थापना पोर्टल

सम्मान

खिलेश्वरी को मिली आर्थिक सुरक्षा

रायपुर जिले के बनरसी गाँव निवासी खिलेश्वरी ओगरे बिहान शारदा ग्राम संगठन समूह से जुड़ी हैं। महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली 1,000 रुपये की सहायता से वे अब आर्थिक सुरक्षा का अनुभव कर रही हैं। वह बताती हैं कि पहले परिवार का भरण-पोषण मुश्किल था, लेकिन अब यह राशि उनके खाते में जमा रहती है, जो विपरीत परिस्थितियों में सहारा बनती है। वे कहती हैं, "महीने के अंत में जब पैसे खत्म हो जाते हैं तो इस 1,000 रुपये से हमें बहुत मदद मिलती है। मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हूं।" खिलेश्वरी, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के बिहान समूह से भी जुड़ी हैं। इस समूह से जुड़कर उनके जैसी ही कई महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की राह पर चल रही हैं।

सुरक्षा

सुरक्षित मातृत्व के लिए सहायता

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत् पहली बार माँ बनने वाली महिलाओं को दो किस्तों में सहायता राशि दी जाती है। पहली किस्त में 3000 रुपए दिए जाते हैं और दूसरी किस्त में 2000 रुपए की राशि प्रसव के बाद टीकाकरण की पुष्टि होने पर दी जाती है। महासमुंद के इमलीभाठा में रहने वाली गायत्री देवांगन ऐसी ही एक महिला हैं। जब उन्हें इस योजना के तहत 5000 रुपए की राशि मिली, तो उन्होंने इस राशि का उपयोग अपने अच्छे स्वास्थ्य और पोषण पर किया। इसके साथ ही उन्हें राज्य सरकार की कौशल्या मातृत्व सहायता योजना के अंतर्गत दूसरी बार गर्भवती होने पर 6000 रुपए की अतिरिक्त सहायता प्राप्त हुई।

समृद्धि

सफल कारोबारी के रूप में मिली पहचान

एक सामान्य परिवार से आने वाली नीतू गुप्ता ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत लक्ष्मी स्वसहायता समूह से जुड़कर बैंक लिंकेज के माध्यम से एक लाख रुपये का मुद्रा लोन लेकर किराने की दुकान खोली। नीतू सिलाई का कार्य भी करती हैं। साथ ही अपने पति श्री सुनील गुप्ता के साथ खेती कार्य में भी उनका साथ देती हैं। नीतू ने लोन से लिए हुए पैसों से कारोबार शुरू किया और अपनी मेहनत और हुनर के दम पर अब एक सफल कारोबारी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। वे अब अपने बच्चों का पालन पोषण अच्छी तरह से कर पा रही हैं। वे आज लखपति दीदी बन गई हैं।

समानता

व्यंजन बनाने की रुचि ने बनाया आत्मनिर्भर

25 वर्षीया पायल नेताम ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत चार लाख रुपये का ऋण लेकर बेकरी की दुकान खोली। वे बेकरी व्यवसाय से अच्छी-खासी आमदनी हासिल कर रही हैं। साथ ही दो लोगों को रोजगार भी दिया है। पायल केक तैयार कर आसपास के गांवों में ऑर्डर अनुसार भेजती हैं। इससे उन्हें प्रतिदिन दो से तीन हजार रुपये तक शुद्ध आय हो जाती है। इससे उन्हें समाज में समानता और आत्मनिर्भरता वाली पहचान मिली है। पायल ने अपने हुनर और कौशल के साथ शासकीय योजना का लाभ लेकर अपने आप को अब सफल कारोबारी के रूप में स्थापित कर लिया है।

सशक्तीकरण

पुष्पा के हौसलों को मिली उड़ान

पुष्पा यादव 20 दिनों का ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद गांवों के खेतों में फसलों पर ड्रोन चलाकर कीटनाशक का छिड़काव करती हैं। प्रति एकड़ कीटनाशक छिड़काव करने पर उन्हें 300 रुपए की आय होती है। विगत डेढ़ माह में ही वह 26 हजार रुपए की आय अर्जित कर चुकी हैं। वे कहती हैं कि स्वयं की खेती, पशुपालन, नरेगा मैट, ड्रोन पायलट का कार्य कर सालभर में 1 लाख 50 हजार रुपए से अधिक कमा रही हूं। अब पुष्पा को नई पहचान मिली है। गांव वाले उन्हें ड्रोन दीदी पुष्पा के नाम से जानने लगे हैं। पुष्पा की आत्मनिर्भरता देखकर गांव की अन्य महिलाएं भी प्रोत्साहित हो रही हैं और उन्हें भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है।

सहभागिता

साथ मिलकर तरक्की की राह पर

छत्तीसगढ़ का 'जशप्योर ब्रांड' जो आदिवासी महिलाओं द्वारा बनाए गए उच्च गुणवत्ता वाले और स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों को बाजार में प्रस्तुत करता है। अब यह ब्रांड केवल स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारत में अपनी जगह बना चुका है, चाहे वह ऑनलाइन हो या ऑफलाइन। समूह से जुड़ी कई महिलाएं आज पूरी आत्मनिर्भरता के साथ सम्मान पूर्वक जीवन जी रही हैं। जशप्योर आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण और उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने का सफल प्रयास है। इसके माध्यम से इन महिलाओं को रोजगार का अवसर मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली है।

संवाद 44836/53

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)